मासिक पाठ्यकम, सत्र : 2016-17
कक्षा : छठी
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित कियाएं
अप्रैल	व्याकरण : पाठ्य पुस्तक के पृष्ठ 1-11 तक (दोहराई)	स्वर, व्यंजन और मात्राओं की पहचान और उनके सही प्रयोग का अभ्यास कराना ।	1.स्वर एवं उनकी मात्रा सम्बन्धी चार्ट तालिका बनवायी जाये ।वर्णों की पहचान करवाते हुए उनसे सम्बन्धित चित्र चिपकवाये जायें। 2.शब्द-समूह में से विद्यार्थी को वर्णों की पहचान करवायी जाये। 3.अध्यापक द्वारा यदि संभव हो तो इंटरनेट की मदद से कम्प्यूटर पर भी वर्णों की पहचान करवायी जाये। 4.हिंदी के वर्णों ,मात्राओं व विशेष रूप से संयुक्त अक्षरों को पढ़ने और लिखने के लिए कक्षा और गृह कार्य दिया जाये। 5.दैनिक जीवन से उदाहरण दिए जाएं और सही उच्चारण सिखाया जाए ।
	पाठ-1 प्रार्थना	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2. छात्रों की अनुभूति और कल्पना-शक्ति का विकास करना । 3.प्रार्थना के महत्व और प्रभाव की जानकारी देते हुए उनमें नैतिक मूल्यों का प्रसार करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. महापुरुषों की जयंतियों आदि अवसरों पर छात्रों से कोई अन्य प्रार्थना/आरती सुनाने / लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 4.प्रतिदिन प्रार्थना सभा में अधिकाधिक छात्रों को प्रार्थना गायन टीम में शामिल करके उन्हें गायन के अवसर दिये जायें। 5.कविता लेखन करवाया जाये।
	व्याकरण : लिंग परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.लिंग परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को लिंग परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु लिंग परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं लिंग परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4.मिलान करो जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी लिंग परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।

	प्रार्थना पत्र : बीमारी के कारण अवकाश लेने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र ।	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	कहानी : लालची कुत्ता	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.लालच न करने की शिक्षा देना। 3.मनोरंजन करना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखायें। 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी / सुनायी/ समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी में सुनाने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति **अथवा** मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	निबन्ध : मेरी गाय	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना और उनके शब्द भंडार करना । 2.शब्द भंडार का सफलता से प्रयोग करना सिखाना । 3. पशु-पक्षियों के प्रति दया और करुणा जागृत करना।	1.अध्यापक छात्रों से पालतू पशु-पक्षियों के सम्बन्ध में चर्चा करें । चर्चा के दौरान पालतू पशु-पक्षियों के सम्बन्ध में छात्रों को हिंदी में बोलने / लिखने के अवसर दें। 2.पशुओं के प्रति क्रूरता दिखाने वालों के प्रति छात्रों के मन के भावों की कक्षा में चर्चा की जाये।
मई	पाठ-2 सबसे बड़ा धन	1.बच्चों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना । 2.अच्छी सेहत बनाये रखने के लिए जागरूक करना । 3.'सेहत ही सबसे बड़ा धन है' इस कथन के प्रति समझ उत्पन्न करना ।	1.शरीर के अंगों का चार्ट/ मॉडल दिखाया जाए। 2.'स्वस्थ शरीर' और 'धन' में आप किसे चुनेंगे और क्यों ?-विषय पर कक्षा में छात्रों की प्रतिक्रिया हिंदी में जानी जाए।
	व्याकरण भाग : वचन परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.वचन परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को वचन परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु वचन परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं वचन परिवर्तन

			सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4.मिलान करो जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी वचन परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	पाठ-3 जय जवान ! जय किसान !	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से बच्चों को परिचित करवाना । 3.छात्रों में राष्ट्र-प्रेम व कर्मनिष्ठा की भावना का विकास करना ।	1.भारत के अब तक के प्रधानमंत्रियों के चित्र दिखा कर उनके नाम बच्चों को लिखवाए जा सकते हैं । 2.'जय जवान, जय किसान' का नारा लिखवाया जाये व उसका महत्व बताया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.प्रभावशाली भाषा का प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-4 इन्द्रधनुष	1.छात्रों में प्रकृति के प्रति लगाव उत्पन्न करना । 2.छात्रों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा,बादल,पेड़,सूरज आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 4.विज्ञान की प्रयोगशाला से प्रिज़्म लेकर (रोशनी में) इन्द्रधनुषी रंगों का अवलोकन करें। 5.कविता लेखन करवाया जाये।
	कहानी : प्यासा कौआ	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना और विपत्ति के समय न घबराने और सूझ-बूझ से कार्य करने के लिए प्रेरित करना ।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखायें। 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी/समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी में सुनाने के लिए कहा जाये।
	निबन्ध : मेरा स्कूल	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.शब्द भंडार भंडार में वृद्धि करना । 3.उन्हें भावनात्मक रूप से स्कूल से जोड़ना। 4.स्कूल को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रेरित करना ।	1.अध्यापक अपने साथ छात्रों को स्कूल का भ्रमण करवा सकते हैं । 2.'मेरा स्कूल' विषय पर कोई चार्ट बनवाया जा सकता है । 3.बच्चों को 'मेरी कक्षा का कमरा' विषय पर कुछ पंक्तियां लिखने के लिए कहा जा सकता है ।
	व्याकरण : संज्ञा की पहचान	छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना और उनके शब्द भंडार में वृद्धि करना । संज्ञा की जानकारी देना व उनकी पहचान कराना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।

	व्याकरण : व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों की पहचान	1.व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों की पहचान कराना। 2. अनुकरण करते हुए व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों को बोलना,पढ़ना और लिखना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2. कक्षा के कमरे /स्कूल में/ घर/ मुहल्ले/ शहर आदि छात्र को जो भी व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक सम्बन्धी शब्द ध्यान में आता है, उसे लिखने के लिए कहा जाये। 4.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
फारमेटिव-1 मूल्यांकन			
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	**पाठ-5** ईमानदार शंकर	विद्यार्थियों में ईमानदारी, मेहनत, हिम्मत और आत्मविश्वास आदि भावों का संचार करना ।	पाठ के अभ्यास में दी गई क्रियाएं करवायी जाएं । विद्यार्थियों को ईमानदारी से सम्बन्धित कोई और कहानी हिंदी मे सुनाने/ लिखने को कहा जा सकता है ।
	व्याकरण : 'र' के विभिन्न प्रयोगों के बारे बताना ।	1.शब्दावली में बढ़ोतरी करना और वर्तनी में शुद्धता लाना । 2.हिंदी सम्बन्धी मिथ्या अवधारणाओं को दूर करना । 3.'र' के विविध रूपों और प्रयोगों से परिचित करवाना । 4.'र' के विविध रूपों का उच्चारण व लेखन दृष्टि से ज्ञान देना।	1.'र' के विविध रूपों और प्रयोगों से सम्बन्धित पाठ्य पुस्तक में दिए व अन्य उदाहरणों का अभ्यास करवाया जाये। 2.'र' के विविध रूपों के उदाहरण देकर उनकी पहचान करवायी जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा 'र' के विविध रूपों का ज्ञान दिया जाये।
	पाठ-6 मैं और मेरी सवारी	1.बच्चों को साइकिल चलाने के लाभ बताते हुए साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना । 2.उन्हें स्वस्थ शरीर के महत्व से परिचित कराना ।	1. छात्रों से उनके साइकिल सीखने के अनुभव को कक्षा में साँझा किया जाये। 2.छात्रों को 'साइकिल चलाने के लाभ' पर कुछ पंक्तियाँ हिंदी में बोलने / लिखने के लिए कहा जा सकता है। 3.साइकिल रैली का आयोजन करवाया जाये । 4. 'साइकिल की सवारी ,प्रदूषण के खात्मे की तैयारी'-विषय पर कक्षा में चर्चा करें। 5.स्कूल की वार्षिक खेलों में साइकिल रेस,स्लो साइक्लिंग रेस का आयोजन करें।

	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा शब्दों की पहचान कराना।	1.भाववाचक संज्ञा शब्दों की पहचान कराना। 2.अनुकरण करते हुए भाववाचक संज्ञा शब्दों को बोलना,पढ़ना और लिखना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से व्यक्तिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी भाववाचक संज्ञा सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।
	पाठ - 7 सूरज	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रुचि का विकास करना । 2.प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना। 3. छात्रों की अनुभूति व कल्पना-शक्ति का विकास करना । 4.पृथ्वी के लिए सूर्य के महत्व से छात्रों को परिचित करवाना । 5.सौर ऊर्जा का ज्ञान देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं । 4.बिजली के संकट से उभरने में सौर ऊर्जा की चर्चा की जाये। 5.सौर ऊर्जा से चलने वाले यंत्रों के नामों पर चर्चा करने के बाद उन नामों को छात्रों को लिखने के लिए कहा जाये। 6.छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा,बादल,पेड़,नदी,झरने आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 7.दिशाओं सम्बन्धी चार्ट बनाया जाये। 6.कविता लेखन करवाया जाये।
	प्रार्थना पत्र : सेक्शन बदलने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.अपनी बात समझबूझ से बिना किसी झिझक के कहने के योग्य बनाना। 4.तर्कशक्ति का विकास करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
अगस्त	**पाठ- 8** प्रायश्चित	1.बच्चों में अपनी गलतियों को मान कर क्षमा मांगने का गुण पैदा करना । 2.होली जैसे त्योहारों को मिलजुल कर बिना किसी भेदभाव के मनाने की प्रेरणा देना । 3.परिश्रम का महत्व स्थापित करना ।	1.विद्यार्थियों से पूछा जाये कि क्या गलती करके क्षमा माँगने पर आपको अच्छा लगा या बुरा ? इस पर चर्चा करें। 2.'आपने होली कैसे मनायी' इस विषय पर कक्षा में बच्चों को अपना अनुभव सुनाने का अवसर दिया जाए । 3.शहरी छात्रों द्वारा स्वयं अथवा

			ग्रामीण सहपाठियों के सहयोग से अपने आस-पास के किसी ग्रामीण क्षेत्र में जाकर उपले बनाने की विधि और उनके प्रयोग को समझा जाये।
	व्याकरण भाग : सर्वनाम (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, सम्बन्धवाचक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को सर्वनाम शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सर्वनाम शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा सर्वनाम की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पाठ-9 रोमाँचक कबड्डी मुकाबला	1.बच्चों को कबड्डी खेलने के नियमों की जानकारी देकर कबड्डी आदि खेल खेलने के लिए प्रेरित करना । 2.छात्रों में मिलकर काम करने और कभी ना हार मानने की भावना का संचार करना ।	1. प्रसिद्ध भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों के नाम लिखवाये का सकते हैं। 2. छात्रों की दो टीमें बनाकर कबड्डी का मैच करवाया जा सकता है व उस दौरान उनसे हिंदी मे कॉमेन्ट्री करने को भी कहा जा सकता है।
	व्याकरण : सर्वनाम (निजवाचक और प्रश्नवाचक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को सर्वनाम शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सर्वनाम शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा सर्वनाम की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ-10. चिड़िया का गीत	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.बच्चों के मन में पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम की भावना पैदा करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.चिड़िया का घोंसला कॉपी पर बनवाया जा सकता है । 4.विभिन्न पक्षियों के विभिन्न प्रकार के घोंसलों के बारे में चर्चा उनके बारे में

			संक्षेप में छात्रों को लिखने के लिए कहा जाये। 5. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा, बादल, पेड़, सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता हिंदी मे सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 6.कविता लेखन करवाया जाये।
	निबन्ध : मेरा गाँव/ मेरा शहर	1.छात्रों को अपने स्थानीय क्षेत्र से जोड़ना । 2.गाँव के विकास के लिए जागरूक बनाना। 3.छात्रों को विवेकशील, तर्कशील बनाना।	1.छात्रों से 'मेरा गाँव' /मेरा शहर ' विषय पर हिंदी में चर्चा की जा सकती है । 2.उन्हें अधिक से अधिक बोलने और लिखने के अवसर प्रदान किये जाएं । 3.ग्रामीण छात्रों को अपने गाँव के सरपंच, नम्बरदार तथा शहरी छात्रों को अपने क्षेत्र के एम.सी./ मेयर के नामों का पता करने के लिए कहा जाए।
	कहानी : चालाक लोमड़ी	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.चालाक और धूर्त लोगों से सावधान रहने की प्रेरणा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जा सकता है । 2.अभिनय विधि के प्रयोग से कहानी के संवादों को बच्चों से बुलवाया जाये। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी सुनाने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके समानार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल''द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये। 3.समानार्थक शब्दों का चार्ट भी तैयार किया जा सकता है ।
	व्याकरण : विपरीतार्थक शब्द	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना 3.विपरतार्थक शब्दों का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके विपरीतार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.विपरीतार्थक शब्दों का चार्ट/ मॉडल भी तैयार किया जा सकता है।

फारमेटिव-2 मूल्यांकन			
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** दूध का दूध,पानी का पानी	1.बच्चों को न्याय के प्रति जागरूक करना। 2.जागरूक उपभोक्ता बनाना। 3.निडर और आत्मविश्वासी बनाना।	1.राजा की बुद्धिमता पर तीन चार वाक्य लिखवाये जायें। 2.विद्यार्थियों से न्याय के प्रति जागरूकता प्रदर्शित करने वाली कोई कहानी हिंदी में सुनी जाये।
	पाठ-12 रेणुका झील	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना 2.अपने परिचितों को पत्र लिखने के लिए प्रेरित करना। 3.प्राकृतिक सुन्दरता के दर्शन कराना।	1.बच्चों को किसी यात्रा का विवरण हिंदी मे सुनाने के लिए कहना । 2.पर्वतीय /ऐतिहासिक यात्रा का विवरण अपने मित्र को पत्र में लिखने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : कारक (कर्ता,कर्म, करण व सम्प्रदान कारक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.कारकों के भेदों का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर उनमें से रेखांकित किए गए शब्दों में कारक बताने के लिए कहा जाये। 2. कारक के नाम एवं उसके भेदों का चार्ट /मॉडल बनवाया जाये।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना - सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के उदाहरण देकर उनके एक शब्द बनवाये जायें। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	पत्र : फीस माफी के लिए प्रधानाचार्य को पत्र।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : दशहरा	1.भारतीय संस्कृति से अवगत कराना। 2. त्योहारों का महत्व बताना। 3. हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना ।	1.बच्चों ने दशहरा कैसे मनाया ? इस पर उन्हें हिंदी में बोलने का अवसर दिया जाये । 2.चर्चा के बाद उन्हें दशहरा निबन्ध लिखने को कहा जाये। 3.अखबारों से दशहरे से सम्बन्धित चित्रों को एकत्रित करने को कहा जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्नों का प्रयोग)	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. पूर्ण विराम,अल्प विराम,विस्मयादि बोधक आदि मुख्य विराम-चिह्नों के अधिकाधिक उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : कारक (अपादान,सम्बन्ध, अधिकरण व सम्बोधन कारक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.कारकों के भेदों का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर उनमें से रेखांकित किए गए शब्दों में कारक बताने के लिए कहा जाये। 2. कारक के नाम एवं उसके भेदों का चार्ट /मॉडल बनवाया जाये।
नवम्बर	**पाठ -13** काश ! मैं भी	1.देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना। 2. लिंग असमानता को दूर करना। 3.फौज में लड़कियों की भागीदारी से अवगत कराना। 3.फौज में भर्ती होने के लिए प्रेरित करना।	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाए । 2. यदि किसी के परिवार में से कोई फौज में है तो उसे हिंदी में अपने

			अनुभव को कक्षा में बाँटने के लिए कहा जाये। 3.विद्यार्थियों को जीवन के लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने व लिखने के लिए कहा जाये। 4.कविता लेखन करवाया जाये।
	पाठ-14 कुमारी कालीबाई	1 राष्ट्र प्रेम की भावना बच्चों में उत्पन्न करना। 2. देश की आज़ादी में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से अवगत कराना। 3. स्वतंत्रता सेनानी कुमारी कालीबाई के बलिदान से अवगत कराना। 4. अकेला व्यक्ति भी बहुत कुछ कर सकता है -ये भाव बच्चों में उत्पन्न करना।	1.विद्यार्थियों से कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखने को कहा जाये। 2.कुमारी कालीबाई के जीवन से मिलने वाली प्रेरणा की कक्षा में हिंदी मे चर्चा की जाये।
	व्याकरण : विशेषण (गुणवाचक और संख्यावाचक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा विशेषण का प्रयोग सिखाया जाये।
	कहानी : एकता में बल है	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.मिलजुल कर रहने की शिक्षा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जा सकता है । 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी/समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी मे सुनाने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : **विशेषण :** (परिमाणवाचक और सार्वनामिक विशेषण)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना ।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा विशेषण का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : श्री गुरु नानक देव	1.धार्मिक प्रवृति की ओर उन्मुख करना। 2.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नामों से परिचित कराना । 2.श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का ज्ञान देना।	1.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नाम लिखवाये जायें। 2.गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं की चर्चा करना। 3. चर्चा के बाद निबन्ध लिखने को कहना । 4.गुरु नानक देव के भिन्न-भिन्न प्रसंगों से सम्बन्धित चित्र एकत्रित करवाये जायें।
	व्याकरण : मुहावरे	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी

		देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों का अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवाया जाये।
	फारमेटिव-3 मूल्यांकन		
दिसम्बर	**पाठ-15** गुरुपर्व	1.धार्मिक प्रवृति की ओर उन्मुख करना। 2.बच्चों के मन में एक दूसरे के साथ मिलकर सेवा करने की भावना जगाना। 3.गुरुपर्व का महत्व बताना। 4.गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षाओं से परिचित कराना। 5.नगर कीर्तन में शामिल होने की प्रेरणा देना।	1.गुरुपर्व के अवसर पर विद्यार्थी माता-पिता के साथ नगर कीर्तन / गुरुद्वारे में जायें और अपने अनुभव कक्षा में बाँटें। 2.गुरुद्वारे या अन्य स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए सेवा कार्य करें।
	पाठ-16 चींटी	1.बच्चों को निरंतर परिश्रम का महत्त्व बताना। 2.जीव जन्तुओं के प्रति दया और करुणा का भाव जगाना। 3. वैज्ञानिक दृष्टि से चींटी का अध्ययन करने की प्रेरणा देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं। 4.चींटियों के खान-पान और व्यवहार का अध्ययन करके उसे कॉपी में लिखने के लिए कहें। 5.चींटी की तरह निरंतर परिश्रम करने वाले अन्य जीव जंतुओं की जानकारी एकत्र करवायी जाये। 6. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा, बादल, पेड़, सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता हिंदी मे सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 7.कविता लेखन करवाया जाये। 8. चींटी के शरीर की बनावट/क्रिया कलाप सम्बन्धी जानकारी इंटरनेट से इकट्ठी करने को कहें तथा कक्षा में उसकी चर्चा करें।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवाया जाये।
	प्रार्थना पत्र : जुर्माना माफी के लिए प्रार्थना पत्र	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना । 4.गलती स्वीकार करने की भावना विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।

	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
जनवरी	**पाठ-17** पिल्ले बिकाऊ हैं	1.हीन भावना से ऊपर उठने की प्रेरणा देना। 2.जीवोंसे प्रेम करने के लिए प्रेरित करना। 3.आत्मविश्वास उत्पन्न करना।	1.दुकानदार द्वारा अपाहिज पिल्ले को दिखाने पर आप क्या करते?बच्चों को इस विषय पर हिंदी में बोलने के अवसर दिये जायें। 2.पाठ्य पुस्तक में से 'जानिए' के अनतर्गतबच्चों को पोलियो के प्रति जागरूक किया जाये। 3.अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा डॉलर के बारे में जानकारी दी जाये ।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पाठ-18 रसोई का ताज : सब्ज़ियाँ	1.विभिन्न सब्जियों के गुण बताते हुए बच्चों को हरी सब्ज़ियाँ खाने के लिए प्रेरित करना। 2.फास्ट फूड से परहेज़ करने की प्रेरणा देना। 3.शुद्ध उच्चारण की जानकारी देते हुए अभिनय कौशल में कुशल बनाना।	1.सब्ज़ियों से संबंधित चार्ट/ मॉडल बनवायें। 2.इस पाठ के संवादों को कक्षा/स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 3.सब्ज़ियाँ के लाभ लिखने को कहा जाये। 4.छात्रों से पूछा जाये कि आपको कौन सी सब्ज़ी पसन्द है और क्यों ?
	कहानी : ईमानदार लकड़हारा	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.ईमानदारी का जीवन जीने की प्रेरणा देना। 3.लालच दे दूर रहने की प्रेरणा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जा सकता है । 2. इंटरनेट के माध्यम से यह कहानी विद्यार्थियों को दिखायी/समझायी जा सकती है। 3.छात्र सम्बन्धित कहानी का चित्र बनाने का प्रयत्न करें। 4.छात्रों को अपने शब्दों में कोई ऐसी कहानी हिंदी मे सुनाने के लिए कहा जाये।
	पत्र : ज़रूरी काम के कारण अवकाश लेने के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र।	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में बच्चों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन:

		लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : स्वच्छता अभियान	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2. देशप्रेम की भावना का विकास करना। 3. सफाई का महत्व बताना। 4.सफाई अभियान में क्रियाशील बनाना।	1.देश व्यापी लहर 'स्वच्छता अभियान' पर सफाई अभियान सम्बन्धी विचारों को सुनना/सुनाना। 2. स्वच्छता अभियान सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 3. स्वच्छता अभियान में जागरूकता फैलाने के लिए एक टीम बनायें जो कि इस अभियान को क्रियान्वित रूप दे। 4.नेताओं/अधिकारियों /प्रशासन/स्कूल प्रशासन आदि द्वारा चलाए सफाई अभियान में अपनी भागीदारी बनायें।
	फारमेटिव-4 मूल्यांकन		
फरवरी	**पाठ-19** पेड़ लगाओ	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रुचि का विकास करना । 2.प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना। 3. छात्रों की अनुभूति व कल्पना-शक्ति का विकास करना । 4.बच्चों को पेड़ लगाने व उनकी देखभाल करने की प्रेरणा देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3. इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं। 4.पेड़ों से संबंधित नारे लिखवाए जाएं । 5.छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-वर्षा, बादल, सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 6.बच्चों से उनके जन्म दिन पर घर/स्कूल अथवा अपने आस-पास एक फलदार/ छायादार पौधा लगवायें। 7.कविता लेखन करवाया जाये।
	पाठ-20 ज्ञान का भण्डार : समाचार पत्र	1.समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालना। 2.ई-समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालना। 2.स्वाध्याय की प्रवृति पैदा करना। 3.लेखक,कवि आदि बनने की प्रेरणा देना। 4.जिम्मेदारी की भावना पैदा करना। 5.निडरता की भावना पैदा करना।	1.किसी प्रेस में ले जाकर बच्चों को अखबार के छपने की प्रक्रिया से अवगत करवाया जाये। 2.प्रेस के साथ-साथ वहाँ काम करने वाले बिभिन्न अधिकारियौ,/कर्मचारियों के छपाई में योगदान सेअवगत कराया जाये। 3.खींचो न कमान को, न तलवार निकालो । जब तोप मुकाबला हो,तब अखबार निकालो ।। -विषय पर पक्ष और विपक्ष में चर्चा करवायी जाये। 4. इंटरनेट से कम्प्यूटर पर ई-समाचार पत्र खोलकर पढ़ना सिखाया जाये।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये।

			2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से अर्थ और मुहावरों के प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन-2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1. उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों क अभ्यास करवाये जायें।

2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।

3. छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।

4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।

मासिक पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-17
कक्षा : सातवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित कियाएं
अप्रैल	पाठ-1 भारत के कोने-कोने से	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.छात्रों को भारत का प्राथमिक परिचय देना । विद्यार्थियो में राष्ट्रीयता की भावना उत्पन्न करना । 3.उन में आशावाद का संचार करना । 4.उनके हिन्दी उच्चारण में शुद्धि लाना और उनकी अनुभूति और कल्पना-शक्ति का विकास करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.प्रतिदिन प्रार्थना सभा में अधिक से अधिक छात्रों को प्रार्थना गायन टीम में शामिल करके उन्हें गायन के अवसर दिये जायें। 5. भारत के नक़्शे में विभिन्न राज्यों को दिखाना। 6. कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : लिंग परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.लिंग परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को लिंग परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु लिंग परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं लिंग परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' अथवा 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी लिंग परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पत्र : मित्र के प्रथम आने पर उसे बधाई पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये।

		5. सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना। 6. इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखाना। 7.बधाई के कार्ड बनाने/खरीदने/बेचने का ज्ञान देना।	4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखायें। 6. विभिन्न अवसरों पर होने वाली ई- कार्ड प्रतियोगिताओं में कार्ड डिज़ाइन करके भेजना सिखाया जा सकता है। 7.जो कक्षा में प्रथम आए उसके लिए सभी छात्र मिलकर बधाई कार्ड बनायें और उसके घर पोस्ट करें और प्रथम आने वाला छात्र कार्ड प्राप्त करके अपना अनुभव कक्षा में साँझा करे।
	निबन्ध : वैशाखी का मेला	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना 2.वैशाखी के माध्यम से भारत के त्योहारों के प्रति उत्साह पैदा करना।	1.'वैशाखी का त्योहार' पर कक्षा में छात्रों से चर्चा की जाये। 2.'वैशाखी' से सम्बन्धित विषय पर कोई चार्ट बनवाया जा सकता है । 3.वैशाखी से सम्बन्धित गीत सुना/सुनाया जा सकता है। 4.अखबारों /पत्रिकाओं से वैशाखी से सम्बन्धित चित्र इकट्ठे करवाकर उनका ज्ञान दिया जाये। 5.बच्चों से कक्षा में किसी आँखों देखे मेले का उनका अपना अनुभव हिंदी में सुना जाये। सभी को बोलने का अवसर दिया जाये ।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. 'मिलान करो' अथवा 'सही या गलत' जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	पाठ-2 परमात्मा जो भी करता है, अच्छा ही करता है	1.छात्रों का मनोरंजन करना और उनमें साहित्याध्ययन के लिए रुचि उत्पन्न करना । 2.उनमें सकारात्मक सोच का विकास करना । 3.आत्मविश्वास एवम् परमात्मा में विश्वास जागृत करना ।	1.इसी विषय पर कोई और कहानी सुनाई जा सकती है । 2.परमात्मा पर विश्वास सम्बन्धी छात्रों के अनुभव जाने जा सकते हैं ।
	व्याकरण : क्रिया	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रिया का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रिया शब्द रेखांकित करवाए जाएं ।

			3.शब्द समूह में से क्रिया सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	कहानी : दो बिल्लियाँ और एक बंदर	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.आपस में न झगड़ने की शिक्षा देना। 3.चालाक लोगों की बातों में न आकर उनकी चालाकी को भाँपने की शिक्षा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'आपसी लड़ाई का लाभ दूसरे उठाते हैं' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी /सुनायी जाये।
मई	पाठ-3 : रक्तदान : एक बहुमूल्य संस्कार	1.छात्रों की मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.रक्त-दान के सम्बन्ध में सही जानकारी देते हुए उनमें रक्तदान सम्बन्धी मिथ्या अवधारणाओं को दूर करना । **उन्हें** बड़े होकर रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना ।	1.बच्चों से रक्तदान संबंधी नारे लिखवाए जायें। 2. 'रक्तदान' से सम्बन्धित विषय पर कोई चार्ट बनवाया जा सकता है । 3.किसी रक्तदान शिविर में छात्रों को ले जाकर रक्तदान के प्रति जागरूक करें।
	पाठ-4 : फूल और काँटा	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना। 3.छात्रों को फूल और काँटे के उदाहरण देते हुए उन्हें गुणवान बनने के लिए प्रेरित करना । 4उनकी अनुभूति और कल्पना-शक्ति का विकास करना ।	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाये। 2. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3. अपने स्कूल या घर में कोई पौधा लगाने को कहा जा सकता है ।
	व्याकरण : वचन परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.वचन परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को वचन परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु वचन परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं वचन परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' अथवा 'सही या गलत' जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी वचन परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों क अर्थ औरे प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-5	1.बच्चों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन	1.अध्यापक इस प्रकार की अन्य

	हार की जीत	एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना । 2.विद्यार्थियों को ईमानदारी से जीने के लिए प्रेरित करना । 3.उनमें दया, प्रेम आदि भावों का विकास करना ।	शिक्षाप्रद कहानियाँ विद्यार्थियों से सुने/सुनाये। 2.पाठ में आए प्रभावशाली संवादों के माध्यम से कहानी का मंचन किया जाये।
	व्याकरण : काल	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.काल का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से काल शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से काल सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	निबन्ध : मेरा मित्र / मेरी सखी	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.उन्हें इस योग्य बनाना कि वे अपने विचार क्रमबद्ध स्पष्टतापूर्वक, तथा शुद्ध भाषा में लिख सकें । 3.छात्रों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना ।	1. बच्चों से पूछा जाये कि उन्हें अपना मित्र/अपनी सहेली क्यों पसंद है। 2.छात्रों से 'मेरा मित्र / मेरी सखी' विषय पर हिंदी में चर्चा की जा सकती है । 3.उन्हें अपने मित्र/सखी से सम्बन्धित अधिक से अधिक हिंदी मे बोलने और लिखने के अवसर प्रदान किये जाएं ।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
फारमेटिव-1 मूल्यांकन			
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	पाठ-6 राष्ट्र के गौरव प्रतीक	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाना और वर्तनी में शुद्धता लाना । 2.राष्ट्र के गौरव प्रतीक चिह्नों के बारे में बच्चों को जानकारी देना । 3.उनमें राष्ट्र के प्रतीकों के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए जागरूकता उत्पन्न करना ।	1.राष्ट्र के गौरव प्रतीक चित्रों का चार्ट बनवाया जाये। 2. गौरव प्रतीक चित्रों को हिंदी की कॉपी में चिपकाने के लिए कहा जाये।
	पाठ-7 आ री बरखा	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.बच्चों को प्रकृति के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.बच्चों से कविता का समूह

		3.विविध ऋतुओं की जानकरी देते हुए वर्षा ऋतु के सौन्दर्य और महत्व से परिचित करवाना ।	गान करवाया जा सकता है । 3. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-बादल,पेड़,सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 4.वर्षा के पहले और वर्षा के बाद की स्थिति पर छात्रों से बुलवाया जा सकता है या उसका चित्र बनवाया जा सकता है । 5.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.जातिवाचक संज्ञा,सर्वनाम व विशेषण शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	निबन्ध : मेरी कक्षा का कमरा	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.उन्हें भावनात्मक रूप से स्कूल से जोड़ना। 4.स्कूल को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रेरित करना ।	1.अध्यापक कक्षा को साफ -सुथरा बनाने के लिए छात्रों से सुझाव जानने के लिए उन्हें कक्षा में बोलने व लिखने के अवसर प्रदान करें। 2.कक्षा में हिंदी विषय से सम्बन्धित मॉडल/ चार्ट बनवाकर लगाये जायें। 3. स्कूल में सबसे साफ-सुथरे कक्षा के कमरे को रखने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाये।
	व्याकरण : पुरुष (तीनों पुरुष -उत्तम, मध्यम व अन्य पुरुष)	1.व्याकरण का ज्ञान प्रदान करना। 2. उत्तम,मध्यम व अन्य पुरुष का समुचित ज्ञान प्रदान करना।	1.वाक्यों के द्वारा तीनों पुरुषों - उत्तम ,मध्यम व अन्य पुरुष का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से तीनों पुरुष को रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से तीनों पुरुष सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके समानार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल' 'द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।

			3.समानार्थक (पर्यायवाची) शब्दों का चार्ट भी तैयार किया जा सकता है ।
	पत्र : गर्मियों की छुट्टियों में अपने घनिष्ठ मित्र को छुट्टियाँ एक साथ मनाने के लिए निमन्त्रण पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5..विद्यार्थी अपने सहपाठियों के साथ कक्षा में गर्मियों की छुट्टियों के अपने अनुभव साँझे करें।
अगस्त	पाठ-8 विजय दिवस	1.विद्यार्थियों में विचारों, भावों और भाषा की सहजता लाना और उनमें राष्ट्र-प्रेम की भावना पैदा करना । 2.देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के जीवन पर प्रकाश डालना ।	1.कारगिल युद्ध में शहीद होने वाले सैनिकों का परिचय दिया जा सकता है । 2.देशभक्ति का गीत सुना जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	कहानी : खरगोश और कछुआ	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.घमंड न करने की शिक्षा देना। 3.घमंडी लोगों को सबक सिखाने की प्रेरणा देना। 4.आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने योग्य बनाना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'घमंडी का सिर नीचा' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी /सुनायी जा सकती है।
	पाठ- 9 **स्वराज्य की नींव**	1.विद्यार्थियों के विचारों, भावों और भाषा की सहजता लाना, उनमें राष्ट्र-प्रेम की भावना पैदा करना । 2.झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साहस, त्याग से परिचित कराना ।	1.स्वतन्त्रता के लिए बलिदान देने वाले देशभक्तों के बारें बताया जा सकता है । 2. उनके चित्रों को एकत्र करने को कहें। 3. देशभक्तों के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है - इस सम्बन्धी हिंदी में छात्रों से विचार जाने जायें।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया व अव्यय शब्दों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित

			उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	पत्र : खिड़की का शीशा टूट जाने पर क्षमा माँगते हुए प्रार्थना पत्र।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना । 4.गलती स्वीकार करने की भावना विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	पाठ-10 बढ़े चलो,बढ़े चलो	1.बच्चों को अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए 2.हर परिस्थिति में आगे बढने के लिए प्रेरित करना।	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाए । 2.भाव साम्यता :अध्यापक द्वारा हरिवंशराय बच्चन की सुप्रसिद्ध कविता 'अग्निपथ' सुनायी जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : विपरीतार्थक शब्द	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना 3.विपरतार्थक शब्दों का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके विपरीतार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.विपरीतार्थक शब्दों का चार्ट /मॉडल भी तैयार किया जा सकता है।
	निबन्ध : मेरा अध्यापक	छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना और उनके शब्द भंडार एवं सूक्ति भंडार में वृद्धि करना तथा उस शब्द-भंडार का सफलता से प्रयोग करना । अध्यापकों के प्रति सम्मान और निष्ठा कि भावना का विकास करना ।	1. अध्यापक क्यों अच्छे लगते हैं ? सम्बन्धी बोलने /लिखने के हिंदी में अवसर दिए जायें। 2.यदि कोई छात्र अध्यापक बनना चाहता है तो उसके अध्यापक बनने के कारणों को बताने को कहा जाये।
	फारमेटिव-2 मूल्यांकन		
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** धीरा की होशियारी	1.सतर्क रहते हुए जीवन जीने और समाज में बुरे लोगों से सावधान रहने के लिए प्रेरणा देना।	1.इस पाठ को संवाद के रूप में लिखकर कक्षा में मंचित किया जाये। 2. विद्यार्थी द्वारा उसके जीवन में घटित इस प्रकार की घटना की कक्षा में चर्चा की जाये।
	व्याकरण : वाच्य	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.वाच्य का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर वाच्य की पहचान करवायी जाये। 2. वाच्य एवं उसके भेदों का चार्ट बनाया जाये।
	पाठ-12 अशोक का शस्त्र त्याग	1.पद्मा की बहादुरी और बुद्ध धर्म की शिक्षाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 2.अहिंसा का जीवन जीने की प्रेरणा देना। 3. सम्राट अशोक के जीवन के बारे में संक्षेप में बताना।	1.पाठ का कक्षा/स्कूल में मंचन किया जाये। 2.महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं की कक्षा में चर्चा करके कॉपी में लिखें।

	व्याकरण : क्रिया विशेषण	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रियाविशेषण का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रियाविशेषण का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रियाविशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से क्रियाविशेषण सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	कहानी : हाथी और दरजी	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करने की प्रेरणा देना। 3.जानवरों के प्रति दया और करुणा की भावना का विकास करना। 4.बुरे को सबक सिखाने योग्य बनाना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'जैसी करनी वैसी भरनी' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी/सुनायी जा सकती है।
	प्रार्थना पत्र : बहन के विवाह पर अवकाश के लिए मुख्याध्यापिका को प्रार्थना पत्र ।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : श्री गुरु गोबिन्द सिंह	1.धार्मिक प्रवृति की ओर उन्मुख करना। 2.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नामों से परिचित कराना । 2. श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी की शिक्षाओं का ज्ञान देना।	1.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नाम लिखवाये जायें। 2. श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के जीवन और शिक्षाओं की चर्चा करना। 3. चर्चा के बाद निबन्ध लिखने को कहा जाये। 4. श्री गुरु गोबिन्द सिंह के भिन्न-भिन्न प्रसंगों से सम्बन्धित चित्र एकत्रित करवाना।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. मुख्य विराम चिह्नों के अधिकाधिक उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
नवम्बर	**पाठ -13** साक्षरता अभियान	1.पढ़ाई का महत्व बताना। 2. संयम का मार्ग दिखाना। 3. साक्षरता अभियान से अवगत कराना। 4.बचत का महत्व बताना। 5.धैर्यवान,परिश्रमी,ज्ञानवान बनाना। 6.मिलजुल कर रहने की भावना जागृत करना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.विद्यार्थियों से पूछा जाए कि वे पढ़-लिखकर देश के विकास में किस तरह योगदान देंगे। 4.विद्यार्थियों के जीवन के लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने व लिखने के लिए कहा जाये। 5. 'ज्ञान बढ़ाओ और बाँटो'- विषय पर विद्यार्थियों को हिंदी में बोलने के अवसर दें। 6.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।

	पाठ–14 गिल्लू	1.पशु–पक्षियों के प्रति दया और करुणा उत्पन्न करना। 2. घायल पशु–पक्षी की चिकित्सा के प्रति सचेत करना। 3.मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देना।	1.छात्रों से उनके पालतू पशु–पक्षियों के प्रति विचार हिंदी में जाने जायें। 2.पशु–पक्षियों से भी मिलजुल कर रहने की शिक्षा मिलती है –सम्बन्धी हिंदी में करना।
	व्याकरण : समुच्यबोधक (योजक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को समुच्यबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना । 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से समुच्यबोधक शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा समुच्यबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे–छोटे वाक्यों द्वारा समुच्यबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ–15 धर्मशाला	1.रचनात्मक लेखन में कुशल बनाना । 2.डायरी लेखन में रुचि उत्पन्न करना। 3.यात्रा और डायरी लेखन अर्थात एक पंथ दो काज का महत्व बताना। 4.पर्वतीय यात्रा करने के रोमांच से अवगत कराना।	1.विद्यार्थियों से किसी पर्वतीय यात्रा के बारे में सुनना। 2.यदि किसी विद्यार्थी ने इस तरह किसी यात्रा आदि का डायरी लेखन किया है तो उसके अनुभव को कक्षा में बाँटें। 3.किसी पर्वतीय यात्रा के दौरान कैमरे में कैद किए गए प्राकृतिक चित्रों की चर्चा करें।
	व्याकरण : सम्बन्धबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को सम्बन्धबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना । 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सम्बन्धबोधक शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा द्वारा सम्बन्धबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे–छोटे वाक्यों द्वारा सम्बन्धबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : दीपावली	1.भारतीय संस्कृति से अवगत कराना। 2. त्योहारों का महत्व बताना। 3. हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना । 4.पटाखे रहित दीवाली मनाने की प्रेरणा देना। चलाने की ओर उन्मुख करना।	1.बच्चों ने दीवाली कैसे मनायी ? इस पर उन्हें हिंदी में बोलने का अवसर दिया जाये । 2.चर्चा के बाद उन्हें दीवाली निबन्ध लिखने को कहा जाये। 3.अखबारों से दीवार्ला से सम्बन्धित चित्रों को एकत्रित करने को कहा जाये। 4.विद्यार्थी पटाखे रहित दीवाली से सम्बन्धित नारे,लेख.पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाये। 5.'पटाखे रहित दीवाली' रैली का आयोजन किया जाये।
फारमेटिव–3 मूल्यांकन			
दिसम्बर	**पाठ–16** कोई नहीं बेगाना	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.नि:स्वार्थ समाज सेवा की भावना उत्पन्न करना। 3.वीरता की भावना जगाना। 4.कवि की अनुभूति का ज्ञान कराते हुए काव्य का भावार्थ ग्रहण करने की क्षमता उत्पन्न	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाए और इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं। 2.भाई कन्हैया जी का जीवन चरित पढ़ने और उनकी शिक्षा को धारण करने

		करना। 5.धार्मिक भावना का विकास करना। 6.भाई कन्हैया के जीवन चरित और उनकी विशिष्टता से अवगत कराना।	को कहा जाये। 3.गुरुद्वारे/अनाथाश्रम आदि जगह पर जाकर समाज सेवा के कार्य करने की प्रेरणा दी जाये। 4.गर्मियों के दिनों में पक्षियों के लिए घर/आँगन में पानी का विशेष प्रबन्ध करने की प्रेरणा दी जाये। 5.भाई कन्हैया जी के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है? इसके बारे में विद्यार्थियों को बोलने का अवसर दें। 6.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	कहानी : दो मित्र और रीछ	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.मुसीबत के समय विवेक से काम लेने योग्य बनाना। 3.विश्वसनीय मित्र की परख करने योग्य बनाना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'मुसीबत के समय धोखा देने वाले मित्रों से बचें' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनना/सुनाना।
	पत्र : अपने मित्र को पत्र लिखकर बतायें कि आपका नया स्कूल किन- किन बातों में अच्छा है।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 4.स्कूल के विकास में योगदान देने के योग्य बनाना। 5.स्कूल के साथ प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित करने योग्य बनाना। 6.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.विद्यार्थियों से अपने स्कूल की कमियों को दूर करने के सुझाव जानें।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनायें।
	निबन्ध : आँखों देखा मैच	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2.खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करना। 3.किसी घटना को देखकर उसे अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.बच्चों को देखे गए मैच के बारे में हिंदी में बोलने का अवसर दिया जाये । 2.चर्चा के बाद उन्हें 'आँखों देखा मैच' निबन्ध लिखने को कहा जाये। 3.मैच से सम्बन्धित चित्रों को एकत्रित करने को कहा जाये। 4.विद्यार्थियों से इस तरह किसी देखी गई घटना को कक्षा में हिंदी में बोलने /लिखने का अवसर दिया जाये।।

जनवरी	**पाठ–17** अन्याय के विरोध में	1.बच्चों को न्याय का साथ देने के लिए प्रेरित करना। 2.विद्यार्थियों को सबक सिखाना कि वे अन्याय का विरोध करें। 3.अपने हक के लिए लड़ना।	1.यदि आप जूलिया की जगह पर होते तो मेहनत से काम करने के पैसे न दिए जाने पर क्या करते ? इस विषय पर बच्चों को हिंदी में बोलने के अवसर दिये जायें। 2.अन्याय को सहना भी गलत है – इस विषय पर बच्चों को हिंदी में बोलने के अवसर दिये जायें। 3.विद्यार्थियों से इस तरह की कोई कहानी सुनें।
	व्याकरण : विस्मयादिबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को विस्मयादिबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना । 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विस्मयादिबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा द्वारा विस्मयादिबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे–छोटे वाक्यों द्वारा विस्मयादिबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पाठ–18 सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा	1.सड़क पर चलने के नियमों से अवगत कराना और उन्हें जीवन में धारण करने योग्य बनाना। 2.अनुशासन प्रिय बनने की प्रेरणा देना। 3.अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा देना।	1.यातायात के नियमों का चार्ट। 2. स्कूल में सड़क जागरूकता सम्बन्धी नारे लिखवायें। 3.सड़क जागरूकता सम्बन्धी कोई नाटिका तैयार करवायी जाये।
	कहानी : शेर और चुहिया	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.किसी की शक्ति को कम न आँकने की शिक्षा देना। 3.मुसीबत के समय दूसरों की सहायता करने की प्रेरणा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है।अभिनय विधिके प्रयोग से कहानी के संवादों को बच्चों से बुलवाया जाये। 3.छात्रों से सम्बन्धित कहानी का चित्र बनवाया जा सकता है। 4.'मुसीबत के समय धोखा देने वाले मित्रों से बचें' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी /सुनायी जाये।
फारमेटिव–4 मूल्यांकन			
फरवरी	**पाठ–19** दोहावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन किया जाये। 2.विद्यार्थियों को प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करने को कहा जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।

	पाठ–20 **मैं जीती**	1.सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देना। 2.हीन भावना को जीवन में न पनपने देने की शिक्षा देना। 3.विपरीत परिस्थितियों का बहादुरी,होशियारी व लगन से सामना करने की प्रेरणा देना। 4.अपाहिज होने से भी हिम्मत रखने और कुछ विशिष्ट करने की भावना विकसित करना। 5.दूसरों की मदद करने की प्रेरणा देना।	1. विद्यार्थियों से पूछा जाये कि आपका विश्वास कौन बढ़ाता है ।कक्षा में इस सम्बन्ध में विद्यार्थियों के विचार जानें। 2.यदि किसी विद्यार्थी ने इस तरह किसी की जान बचाई हो तो उसकी चर्चा कक्षा में की जाये। 3.विद्यार्थियों को जानकारी दी जाये कि समाज में अद्भुत बहादुरी दिखाने वाले को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाता है।उन्हें गणतंत्र दिवस पर ऐसे कार्यक्रम देखने को कहें।
	व्याकरण : शुद्ध–अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य–पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध –अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी–बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन–2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1. उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों क अभ्यास करवाये जायें।
2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ–साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।
3. छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।
4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।

मासिक पाठ्यकम, सत्र : 2016-17
कक्षा : आठवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित कियाएं
अप्रैल	पाठ-1 : हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.उनकी अनुभूति और कल्पना शक्ति का विकास करना। 3.जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देना। 4.हमेशा हिम्मत से काम करने योग्य बनाना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.ऐसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरक प्रसंग सुने/सुनाए जायें,जिन्होंने संघर्षों से भरा जीवन जीते हुए अपार सफलता पाई और जो आज सभी के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।
	पाठ-2 पिंजरे का शेर	1.छात्रों की कल्पना शक्ति तथा तर्क शक्ति का विकास करना। 2.हिम्मत व होशियारी से कार्य करने के लिए प्रेरित करना। 3.विवेकशील और आत्मविश्वासी बनने की प्रेरणा देना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1. छात्रों को चन्द्रगुप्त और चाणक्य के प्रेरक प्रसंग सुनाए जायें जिनसे वे प्रेरणा ले सकें। 2.छात्रों के जीवन में घटित हूए ऐसे प्रसंग हिंदी में सुने जायें जिनमें उन्होंने ऐसी चतुराई/विवेकशीलता का परिचय दिया हो।
	व्याकरण : संज्ञा एवं उसके भेदों की पहचान	1.संज्ञा शब्दों की पहचान कराना। 2. अनुकरण करते हुए व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों को बोलना,पढ़ना और लिखना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जायें । 4.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी संज्ञा सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : लिंग परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना। 2.शब्दभंडार में वृद्धि करना। 3.लिंग परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन से कुछ शब्द देकर छात्रों को लिंग परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार मे वृद्धि करने हेतु लिंग परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं लिंग परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' 'सही या गलत' अथवा अन्य किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी लिंग परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम व विशेषण, क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं भाववाचक संज्ञा निर्माण सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।

	प्रार्थना पत्र : स्कूल में पीने के पानी का समुचित प्रबन्ध करने के लिए मुख्याध्यापिका को प्रार्थना पत्र ।	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.नेतृत्व की भावना जागृत करना। 5.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : प्रात:काल की सैर	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.प्रकृति से निकटता स्थापित करने हेतु उन्हें प्रात:काल की सैर का महत्व बताना। 3. अच्छे स्वास्थ्य का महत्व बताना।	1.प्रात:काल के वातावरण जैसे पक्षियों का चहचहाना,स्वास्थ्य के प्रति सचेत लोगों का व्यायाम करना आदि के बारे में छात्रों को हिंदी में बोलने, पढ़ने के अवसर दिए जायें। 2.प्रात:काल की सैर के लाभों के बारे में सभी छात्रों से बारी- बारी हिंदी में बोलने के लिए कहा जाये। 3.प्रात:काल से सम्बन्धित चित्र भी बनवाया जा सकता है।
मई	**पाठ -3** मैट्रो रेल का सुहाना सफर	1.छात्रों को यातायात के आधुनिक संसाधनों की जानकारी देते हुए मैट्रो रेल व इसके संचालन से अवगत कराना। 2.उनकी अनुभूति कल्पना शक्ति और भाषा कौशलों का विकास करना। 3.रेलवे से सम्बन्धित प्लेटफार्म जैसे व्यावहारिक शब्दों का ज्ञान देना। 4.अत्याधुनिक भारत का परिचय देना। 5.बुलेट प्रूफ रेलगाड़ियों की चर्चा करना। 6. प्लेटफार्म, ट्रेन आदि स्थानों पर साफ-सफाई रखने की प्रेरणा देना।	1.मेट्रो रेल से संबंधित कोई वीडियो भी दिखायी जा सकती है । 2. छात्रों से स्वचालित प्रवेश द्वार, लिफ्ट,वातानुकूलित ट्रेन आदि के बारे में बताया जाये और उनके अनुभवों को भी हिंदी में सुना जाये। 3.भारत की राजधानी दिल्ली,लाल किला आदि पर भी चर्चा की जाये ।
	व्याकरण : सर्वनाम एवं उसके भेदों की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को सर्वनाम शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सर्वनाम शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा सर्वनाम की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग करना सिखाया जाये।
	व्याकरण : वचन परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना। 2.शब्द- भंडार मे वृद्धि करना । 3.वचन परिवर्तन का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा छात्रों को वचन परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द -भंडार मे वृद्धि करने हेतु वचन परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं वचन परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' 'सही या गलत' अथवा अन्य किसी गतिविधि का प्रयोग

			करके भी वचन परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	पाठ-4 : राखी की चुनौती	1.कविता वाचन के ढंग से अवगत कराना और सरलार्थ करने के योग्य बनाना । 2.देश भक्ति के भाव उत्पन्न कराना । 3.राखी के पर्व की पवित्रता एवं महत्व बताना। 4.पारिवारिक रिश्तों का महत्व बताना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा का प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ तथा प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-5 शायद यही जीवन है	1.छात्रों की संवेदनशीलता का विकास करना और उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं से जोड़ना । 2.प्रकृति से छात्रों का सम्बन्ध स्थापित करना और पशु-पक्षियों के जीवन यापन को निकटता से देखने की प्रेरणा देना।	1. छात्रों को पूछा जाये कि क्या आपने किभी पक्षियों को खाना/पानी आदि दिया है । यदि हाँ ,तो उस अनुभव को कक्षा में बाँटा जाये। 2. छात्रों को अपने किसी पालतू पशु-पक्षी की गतिविधियों पर अपना अनुभव हिंदी में सुनाने/ लिखने को कहा जाये।
	निबन्ध : मेरा प्रिय खेल	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. शब्द-भंडार मे वृद्धि करना । 3.खेलों के प्रति लगाव पैदा करना। 4.प्रिय खेल के बारे में अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1. छात्रों से उनके प्रिय खेल के बारे में जाना जाये और उन्हें लिखने से पूर्व बोलने के अवसर दिए जायें कि उन्हें कोई खेल क्यों पसंद है। 2.छात्रों को मेरा प्रिय मित्र/ खिलाड़ी आदि पर भी कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2. शब्द-भंडार मे वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	फारमेटिव-1 मूल्यांकन		
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकते हैं।**		
जुलाई	**पाठ - 6** नील गगन का नीलू	1.सैनिकों के जीवन में आने वाली मुश्किलों के बारे में बताना और उनकी कुर्बानियों को नमन करना सिखाना। 2. बच्चों के मन में देश प्रेम की भावना पैदा करना।	1.छात्रों से सैनिक बनकर देश की सेवा करने के बारे में हिंदी में बोलकर / लिखकर विचार जाने जायें। 2.देश पर कुर्बान होने वाले सैनिकों की जीवनियाँ पढ़ने को दें और उनसे मिलने वाली प्रेरणा को कक्षा में साँझा करें।
	व्याकरण भाग : 'र' के विविध रूप और प्रयोग	1.शब्दावली में बढ़ोतरी करना और वर्तनी में शुद्धता लाना । 2.हिंदी सम्बन्धी मिथ्या अवधारणाओं को दूर करना। 3. 'र' के विविध रूपों और उनके प्रयोगों का उच्चारण व लेखन दृष्टि से अभ्यास कराना।	1.'र' के विविध रूप और प्रयोगों का अभ्यास करवाकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण लिखने को कहा जाये। 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा 'र' के विविध रूपों का ज्ञान दिया जाये।

	पाठ - 7 नवयुवकों के प्रति	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.बच्चों को ज़िंदगी में संभल कर चलने के लिए प्रेरित करना । 3.सत्संगति की प्रेरणा देना। 4.धार्मिक साहित्य पढ़ने की प्रेरणा देना। 5.संयमित जीवन जीने की ओर उन्मुख करना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.भक्त प्रह्लाद की जीवन गाथा से परिचित कराया जाये। 5.छात्रों से जाना जाये कि वे देश का उत्थान कैसे करना चाहते हैं।
	पाठ-8 प्रेरणा	1.जीवन की सच्चाइयों से परिचित कराते हुए शिक्षा का महत्व बताना । 2.परोपकार के लिए प्रेरित करना।	1.अपने आस पास सोसाइटी में चल रहे पढ़ाई,सिलाई कढ़ाई आदि केन्द्रों की जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा जाये और उन केन्दों का प्रचार करने के लिए कहें। 2.अपने आस-पास शाम को खाली समय में बेघर गरीब बच्चों को जाकर पढ़ाई-सफाई आदि के बारे में जाकर बताने के लिए कहा जाये। 3.मदर टेरेसा की जीवनी से प्रेरक प्रसंग सुनाये जायें।
	व्याकरण : विपरीतार्थक शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना 3.विपरतार्थक शब्दों का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा छात्रों को विपरीतार्थक शब्दों का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. विपरीतार्थक शब्दों का चार्ट / मॉडल भी तैयार करवाया जा सकता है।
	निबन्ध : शहीद भगत सिंह	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 3.बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित करवाना । 4. देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना । 5. महान भगत सिंह के जीवन चरित एवं उनकी कुर्बानी से परिचित कराना।	1.छात्रों से उनके प्रिय नेता के बारे में जाना जाये और उन्हें लिखने से पूर्व बोलने के अवसर दिए जायें कि उन्हें नेता क्यों पसंद है। 2.छात्रों को भगत सिंह की धारणा का ज्ञान दिया जाये। 3.छात्रों को भगत सिंह के लेखों से परिचित कराया जाये। 4.छात्रों को शहीद भगत सिंह के जन्म स्थल/शहीदी स्थल के दर्शन करवाये जायें। 5.अन्य शहीदों जैसे-करतार सिंह सराभा, शहीद ऊधम सिंह,चन्द्रशेखर आज़ाद आदि की भी जानकारी दी जाये।
	प्रार्थना पत्र : स्कूल **छोड़ने पर** मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जा सकता है। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द-भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और

		विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा का प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करना सिखाना।	प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
अगस्त	पाठ -9 मन के जीते जीत	1.अपनी कमज़ोरियों को वश में करने /उनका सामना करने की प्रेरणा देना। 2.छात्रों में साहस और आत्मविश्वास पैदा करना। 2.महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा देना। 3.सकारात्मकत जीवन जीने की प्रेरणा देना।	1.कक्षा में ऐसे अन्य विकलांग लोगोंकी चर्चा की जाये जिन्होंने विकलांग होते हुए भी जीवन में अपार सफलता प्राप्त की । ऐसे लोगों के चित्र इकट्ठे करके स्कूल के समुचित स्थान पर लगाये जायें। 2.मन के जीते जीत,मन के हार है-पर कक्षा/स्कूल में भाषण प्रतियोगिता करवायी जाये।
	पाठ -10 रब्बा मींह दे, पानी दे	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2. छात्रों में कल्पना शक्ति ,तर्क शक्ति,अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना। 3. छात्रों में प्रकृति के प्रति लगाव उत्पन्न करना। 4.पानी की बचत करना सिखाना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे- बादल, पेड़, सूरज, नदी ,पहाड़, झरने आदि पर कोई कविता वाचन /गायन/ लेखने के अवसर प्रदान किये जायें। 5.पानी बचाने के उपाय छात्रों से लिखवाये जायें।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2. शब्द-भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण : कारक की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.कारकों व उसके भेदों की पहचान करवाना।	1.वाक्य देकर उनमें से रेखांकित किए गए शब्दों में कारक बताने के लिए कहा जाये। 2. कारक के नाम एवं उसके भेदों का चार्ट /मॉडल बनवाया जाये।
	निबन्ध : रक्षा बन्धन	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.पारिवारिक रिश्तों के महत्व को समझने योग्य बनाना। 3.रक्षा बन्धन पर चर्चा करके अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.छात्रों से 'रक्षा बन्धन'विषय पर हिंदी में चर्चा की जाये। उन्हें अपने विचार हिंदी में प्रस्तुत करने को कहा जाये। 2.उन्हें अधिकाधिक बोलने ,पढ़ने और लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 3.रक्षा बन्धन के अवसर पर उन्हें विभिन्न तरह की राखियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाये। 4.रक्षा बन्धन पर कोई गीत गाने को कहा जा सकता है।
	व्याकरण : समानार्थक (पर्यायवाची) शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग में आने वाले कुछ शब्द देकर उनके समानार्थक शब्द लिखवाये जायें या चार्ट बनवायें। 2.जल के अंत में 'ज' लगाकर

			'कमल''द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।
	निबन्ध : स्वतंत्रता दिवस	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताना। 3. स्वतंत्रता दिवस पर सुन/ देख/ समझकर अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.स्वतंत्रता दिवस पर किसी विशिष्ट व्यक्ति को बुलाकर स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया जाये। 2. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति के गीत, एकांकी, नृत्य,भाषण, फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जा सकता है। 3. स्वतंत्रता दिवस मनाने के बाद छात्रों को अपने शब्दों में निबन्ध लिखने के लिए कहा जाये। 4. अन्य मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पर्वों- गणतन्त्र दिवस,गाँधी जयन्ती आदि की जानकारी दी जाये।
	फारमेटिव-2 मूल्यांकन		
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम: अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** ईदगाह	1.छात्रों को सभी पर्व बिना किसी भेदभाव के आपस में मिलजुल कर मनाने के लिए प्रोत्साहित करना। 2.बुजुर्गों की सेवा-सुश्रुषा हेतु प्रेरित करना । 3.ईद और ईदगाह से परिचित कराना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1.छात्रों से पूछा जाये कि यदि वे हामिद की जगह होते तो अपनी दादी के लिए क्या लाते और क्यों। 2.बच्चों को मुंशी प्रेमचंद जी की कहानियां पढ़ने के लिए कहा जाये। 3.यदि कोई मुस्लिम छात्र कक्षा में हो तो उसके माध्यम से भी पूरी कक्षा को ईद मनाने के बारे में भी बताया जा सकता है।उसके अनुभव कक्षा में बाँटे जायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पाठ-12 ज्ञान और मनोरंजन का घर-साइंस सिटी	1.छात्रों को साइंस सिटी के बारें में पूरी जानकारी देना । 2.साइंस सिटी देखने जाने के लिए उत्साहित करना। 3.पंजाब सरकार की छात्रों को मुफ्त में साइंस सिटी दिखाने की योजना से अवगत कराना। 4.वैज्ञानिक सोच को विकसित करना।	1.बच्चों को किसी यात्रा का विवरण हिंदी मे सुनाने के लिए कहना । 2.साइंस सिटी में रुचि विकसित करने हेतु छात्रों को इंटरनेट पर भी इसकी जानकारी दी जा सकती है। 3.यदि किसी छात्र ने इसे पहले ही देखा हुआ है तो उसके अनुभव को कक्षा में साँझा करके भी अन्य छात्रों में भी साइंस सिटी देखने जाने की जिज्ञासा जागृत की जा सकती है। 4.साइंस सिटी सम्बन्धी चित्रों को इकट्ठा करके स्क्रैप बुक में लगवायें।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध - अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान

			करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : विशेषण की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जायें। 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण शब्दों की पहचान करवायी जाये।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना अर्थात कम शब्दों में अधिक गहराई से लिखना सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अधिक से अधिक उदाहरणों द्वारा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का अभ्यास करवाया जाये। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	पत्र : आपके चाचा जी द्वारा आपके जन्मदिन पर भेजे उपहार के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : सत्संगति	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 3.सत्संगति का महत्व बताना। 4. सत्संगति विषय पर सुनकर / समझकर अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.अच्छे लोगों की संगति करने से क्या लाभ होते हैं ?- इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.बुरे लोगों की संगति से क्या हानि होती है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। सभी छात्रों से इस सम्बन्धी प्रश्न पूछकर उन्हें कक्षा में सत्संगति पर चर्चा में सक्रिय रूप से भागी दार बनायें। 3.इसके बाद छात्रों को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	व्याकरण : क्रिया और काल	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रिया और काल का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रिया शब्द रेखांकित करवाये जायें तथा विभिन्न वाक्यों द्वारा तीनों कालों की पहचान करवायी जाये।
नवम्बर	**पाठ -13** माँ (कविता)	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.बच्चों को अपने माता पिता का आदर करने के लिए प्रेरित करना। 3.माँ की ममता को अद्वितीय रूप में दिखाना। 4.वात्सल्य रस से अवगत कराना।	1.कविता में निहित, लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.अपने माता-पिता पर कुछ वाक्य बोलने/लिखने के लिए कहा जाये। 5.छात्रों से 'माँ' पर कोई अन्य कविता

			सुना/ सुनाया जा सकता है।
	व्याकरण : वाच्य	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.वाच्य का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर वाच्य की पहचान करवायी जाये। 2. वाच्य एवं उसके भेदों का चार्ट बनाया जाये।
	व्याकरण : क्रिया विशेषण	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रियाविशेषण का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रियाविशेषण का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रियाविशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से क्रियाविशेषण सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	पत्र : मित्र के जन्म दिन पर उसे बधाई देते हुए पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 5. सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना। 6. इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखाना। 7.बधाई के कार्ड बनाने/खरीदने/बेचने का ज्ञान देना।	1.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 2.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 3.इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखायें। 4. विभिन्न अवसरों पर होने वाली ई-कार्ड प्रतियोगिताओं में कार्ड डिज़ाइन करके भेजना सिखाया जा सकता है।
	पाठ-14 सहयोग	1.छात्रों के मन में एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने की भावना जगाना। 2.छात्रों को सामाजिकता का पाठ पढ़ाना। 3.उन्हें एन.एस.एस, एन.सी.सी.आदि का सदस्य बनाना। 4.अच्छा नागरिक बनाना ।	1.विद्यार्थियों को अपनी कल्पना के आधार पर 'सहयोग' सम्बन्धी कोई कहानी बोलने/लिखने की प्रेरणा देना । 2.'सहयोग जीवन का मूल मंत्र है- इस विषय पर सभी छात्रों से बारी बारी बोलने के लिए कहा जाये। 3.छात्रों से जाना जाये कि वे घर/स्कूल में किस तरह से सहयोग कर सकते हैं। 4.पढ़ाई में कमज़ोर छात्र की मदद करने को कहा जाये।
	व्याकरण : सम्बन्धबोधक	1. व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को सम्बन्धबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3.रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सम्बन्धबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.'रिक्त स्थानों की पूर्ति'/ 'मिलान करो' आदि द्वारा सम्बन्धबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा सम्बन्धबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : कम्प्यूटर/ मोबाइल के लाभ और हानियाँ	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. कम्प्यूटर/ मोबाइल के लाभ और हानियों से अवगत कराना।	1. कम्प्यूटर/ मोबाइल के प्रयोग करने से क्या लाभ होते हैं ?- इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2. कम्प्यूटर/ मोबाइल के प्रयोग करने से क्या हानि होती है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 3.सभी छात्रों से इस सम्बन्धी प्रश्न पूछकर उन्हें कक्षा में सत्संगति पर चर्चा में सक्रिय रूप से भागी दार बनायें। 4.इसके बाद छात्रों को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहा जाये।
	नोट :संज्ञा,सर्वनाम ,कारक, विशेषण, क्रिया,काल व वाच्य की पहचान की दोहराई करवायी जाये ।		

	फारमेटिव-3 मूल्यांकन		
दिसम्बर	**पाठ-15** वाघा बार्डर	1.बच्चों के मन में राष्ट्रीयता की भावना जगाना। 2.देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने योग्य बनाना। 3.व्यापारिक दृष्टिकोण से वाघा बार्डर का महत्व बताना। 4.बी.एस.एफ के बारे में संक्षेप में ज्ञान देना। 5.रिट्रीट की रस्म से परिचित कराना।	1.छात्रों को वाघा बार्डर देखने जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाये और उन्हें अपने अनुभव एक डायरी में लिखने की प्रेरणा देनी चाहिए। 2.उन अनुभवों को कक्षा में बाँटा जाये। 3.रिट्रीट की रस्म के बारे में उन्हें पूरा ज्ञान दिया जाये। 3.क्या वाघा बार्डर को सैलानी केन्द्र बनाने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा अथवा नहीं-इस पर भी कक्षा में चर्चा की जाये।
	पाठ-16 गिरधर की कुंडलियाँ	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.छात्रों की अनुभूति और कल्पना शक्ति का विकास करना। 3.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करवाना। 4.छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करना। 5.कुण्डलियाँ छंद का सामान्य ज्ञान देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. छात्रों को कुण्डलियाँ छंद का ज्ञान देते हुए अन्य कुण्डलियाँ छंद का प्रयोग करने वाले प्रसिद्ध कवि जैसे-कपिल कुमार ,त्रिलोक सिंह ठकुरेला आदि की कुण्डलियाँ भी पढ़ने को दी जायें। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : समुच्यबोधक (योजक)	1. व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को समुच्यबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3.रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से समुच्यबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि द्वारा समुच्यबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा समुच्यबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	नोट : लिंग परिवर्तन,वचन परिवर्तन,भाववाचक,विशेषण निर्माण,विपरीतार्थक, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द व पर्यायवाची शब्दों की दोहराई करवायी जाये ।		
जनवरी	**पाठ-17** मेरा दम घुटता है	1.बच्चों को प्रदूषण की समस्याआ के प्रति जागरूक करना और उसके समाधान के लिए प्रेरित करना। 2.रोचक ढंग से छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना। 3.निर्देशन,मेकअप,अभिनय आदि कलाओं में प्रवीण बनाना ।	1.छात्रों को विभिन्न गैसों आदि के पात्र बनाकर इस संवादात्मक पाठ को स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 2. 'पर्यावरण बचाओ' विषय पर पेंटिंग, नारा लेखन,भाषण,लेख,कविता ,एकांकी आदि प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध-अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये।

			2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' अथवा 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : विस्मयादिबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को विस्मयादिबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विस्मयादिबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विस्मयादिबोधक की पहचान करवायी जाये। 3. विस्मयादिबोधक का छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ-18 अन्तरिक्ष परी कल्पना चावला	1.बच्चों के मन में वैज्ञानिक सोच उत्पन्न करना। 2.साइंस में विभिन्न प्रकार के रोज़गार के अवसरों की जानकारी देना। 3.अन्तरिक्ष संबंधी सामान्य जानकारी देना 4. अन्तरिक्ष परी कल्पना चावला के जीवन के प्रेरक प्रसंगों की झाँकी प्रस्तुत करना।	1.छात्रों से उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में चर्चा की जाये ।सभी छात्रों से उनके लक्ष्य को जानकर उनका सही मार्गदर्शन किया जाये। 2.बच्चों को भारतीय महिला वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दी जाए।उनके नाम कॉपी में लिखने को कहा जाये। 3.यदि संभव हो तो उन्हें किसी ऐसे शिक्षण संस्था में ले जाया जाये,जहाँ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती हो ताकि उन्हें एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग सम्बन्धी समुचित जानकारी मिल सके।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पत्र : अपने मित्र को स्कूल में मनाए गणतन्त्र दिवस के बारे में बताते हुए पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3. राष्ट्रीय पर्वों का महत्व बताना। 4. सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 5.देश के संविधान के प्रति निष्ठावान बनाना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस पर छात्रों को बोलने के पर्याप्त अवसर दिये जायें।
	निबन्ध : स्वच्छता अभियान	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2. देशप्रेम की भावना का विकास करना। 3. सफाई का महत्व बताना। 4.सफाई अभियान में क्रियाशील बनाना।	1.देश व्यापी लहर 'स्वच्छता अभियान' पर सफाई अभियान सम्बन्धी विचारों को सुनना/सुनाना। 2. स्वच्छता अभियान सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 3. स्वच्छता अभियान में जागरूकता फैलाने के लिए एक टीम बनायें जो कि इस अभियान को क्रियान्वित रूप दे। 4.नेताओं/अधिकारियों /प्रशासन/स्कूल प्रशासन आदि द्वारा चलाए सफाई अभियान में अपनी भागीदारी बनायें।
फारमेटिव-4 मूल्यांकन			

फरवरी	**पाठ-19** होंगे कामयाब	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.उनकी अनुभूति और कल शक्ति का विकास करना। 3.जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणाा देना। 4.बच्चों को जीवन में कामयाब होने के लिए मन में विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना ।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.जीवन में कामयाब होने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है-इस विषय पर छात्रों को हिंदी में बोलने/ लिखने के अवसर दिये जायें।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-20 सरफरोशी की तमन्ना	1.बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित करवाना । 2. महान क्राँतिकारी देशभक्तों की कुर्बानियों से परिचित कराना। 3. देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना ।	1.इस एकांकी को राष्ट्रीय पर्वों पर सुविधानुसार मंचित किया जाये। 2.विद्यार्थियों को पूछा जाये कि यदि उन्होंने गुलाम भारत में जन्म लिया होता तो वे कैसे देश की आज़ादी में योगदान देते ।उन्हें इस सम्बन्ध में हिंदी में बोलने / लिखने का अवसर दिया जाये। 3.छात्रों को देशभक्ति गीत सुनाने के लिए भी कहा जा सकता है। 4.सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,देखना है ज़ोर कितना बाजुए कातिल में है-इन पंक्तियों को अध्यापक द्वारा स्वयं पूरे जोश से बोला / पढ़ा जाये और छात्रों द्वारा इसका उसी जोश के साथ अनुकरण किया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द-भंडार में वृद्धि करना।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध-अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	पत्र : छुट्टी वाले दिन स्कूल के क्रीड़ाक्षेत्र (प्ले ग्राउंड)में क्रिकेट मैच खेलने की अनुमति लेने के लिए	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.नेतृत्व की भावना जागृत करना। 5.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन:

	प्रिंसिपल को प्रार्थना पत्र।	लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन-2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों के अभ्यास करवाये जायें।

2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।

3.छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।

4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।

मासिक पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-17
कक्षा : नौवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित क्रियाएं
अप्रैल	**कविता :** कबीर दोहावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन करवाया जाये। 2.कविता का सरलार्थ करवाया जाये । 3.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये।
	कहानी : पंच परमेश्वर	1.सच्चा आदर्श पेश करना। 2.सच्ची मित्रता की भावना उत्पन्न करना। 3.निष्पक्ष न्याय के प्रति भावना विकसित करना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम का समावेश की अनुभूति करवाना।	1..अपने गाँव में लगने वाली ग्राम पंचायत के बारे में चर्चा की जाये। 2. 'मित्र को महत्व दें अथवा न्याय व्यवस्था को ' - इस विषय पर विद्यार्थियों के बीच चर्चा करते हुए उन्हें अपने विचार हिंदी में रखने का अवसर दिया जाये।
	व्याकरण : भाषा और लिपि	1.भाषा और लिपि का महत्व बताना । 2.हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि का महत्व बताना ।	1.कक्षा में अध्यापक व विद्यार्थियों के द्वारा हिंदी में बातचीत की जाये। 2.भाषा का महत्व बताया जाये। 3.पंजाबी.अंग्रेज़ी व हिंदी लिपियों के कुछ वाक्यों का अनुवाद व लिप्यंत्रण करके चार्ट बनाया जाये। 4.विभिन्न भाषाओं के आपसी सम्बन्धों पर चर्चा की जाये।
	मुहावरे : 1-20	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	लोकोक्तियाँ : 1-10	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : नए स्कूल में मेरा पहला दिन	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.स्मरण शक्ति विकसित करना। 3.भावनात्मकता का विकास करना।	1.' नए स्कूल में मेरा पहला दिन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपनी माता जी को वार्षिक परिणाम का विवरण देते हुए पत्र	1. अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.नैतिक भावना विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
मई	**कविता :** सूरदास के	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से सूरदास के पदों रसास्वादन करवाया जाये।

	पद	2.श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं से परिचित करवाना। 3.वात्सल्य भाव से अवगत कराना। 4.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	2.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये। 3.माता-पिता और सन्तान के अटूट रिश्तों के सम्बन्ध में कक्षा में विद्यार्थियों के अनुभव बाँटे जायें। 4.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	निबन्ध : नींव की ईंट	1.देश और समाज की भलाई के लिए जागरूकता पैदा करना। 2.नींव की ईंट का वास्तविक ज्ञान देना। नींव की ईंट के माध्यम से बच्चों को नि:स्वार्थ त्याग और बलिदान की प्रेरणा देना।	1.'नींव की ईंट' पाठ के मूलभाव की कक्षा में चर्चा की जाये। 2.पाठ से मिलने वाले संदेश को अपने शब्दों में लिखवाया जाये। 3. भारत देश की नींव -शीर्षक के अन्तर्गत देशभक्तों/महापुरुषों का सचित्र चार्ट बनायें ।
	व्याकरण : वर्ण	1.व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान देना । 2.मानक वर्णों का ज्ञान देना	1.मानक वर्णों का चार्ट बनवायें। 2.मानक वर्णों का शब्दों में अधिकाधिक प्रयोग करवाया जाये।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मोबाइल फोन और विद्यार्थी	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.मोबाइल के लाभ और हानियों के प्रति जागरूक करना। 3.सामाजिक व नैतिक मूल्य विकसित करना।	1.' मोबाइल फोन और विद्यार्थी' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. मोबाइल के लाभ व हानियों सम्बन्धी चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : पुस्तकालय के लाभ	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.पुस्तकालय का महत्व बताना। 3.विद्यालय के पुस्तकालय से परिचित कराना। 4.नैतिकता का विकास करना।	1.' पुस्तकालय के लाभ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं की सूचि बनवायें।
	पत्र : अपने पुराने स्कूल के अध्यापक कोपत्र,जिसमें उन्हें अच्छा पढ़ाने के लिए साधुवाद प्रकट किया गया हो तथा भविष्य में मार्गदर्शन की अपेक्षा की गयी हो ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व नैतिक भावना विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	**कविता :** कर्मवीर	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.कवि की अनुभूति का ज्ञान कराते हुए काव्य का भावार्थ ग्रहण करने की क्षमता उत्पन्न करना। 3.कर्मशीलता पर समुचित प्रकाश डालना। 4. विद्यार्थियों को कविता लिखने की प्रेरणा देना।	1.विद्यार्थियों को उनकी खूबियों के बारे में हिंदी में बताने को कहा जाये। 2.पढ़ाई सम्बन्धी कमियों से भागने की अपेक्षा उन्हें दूर करने के उपायों की चर्चा की जाये। 3.सच्चे कर्मवीर एवं दृढ़-संकल्पशील नेताओं की जीवनियाँ पढ़कर उन पर हिंदी में चर्चा की जाये। 4.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	कहानी : पाजेब	1.सच्चा आदर्श पेश करना। 2.बाल मनोविज्ञान को समझाना। 3. कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने	1.विद्यार्थियों को कहानी के पात्र बनाकर कहानी के चुटीले व स्वाभाविक संवाद बुलवाये जायें। 2.'डाँट,मार और भय का बच्चों पर असर'-विषय पर

		व्यवहार का पुनर्निरीक्षण करने का ज्ञान देना। 4. कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति कराना।	विद्यार्थियों के हिंदी में विचार जानें। 3. संवाद प्रधान इस कहानी को विद्यार्थियों को स्कूल रंगमंच पर खेलने का अवसर दिया जाये। 4.विद्यार्थियों जैनेन्द्र कुमार की बाल मनोविज्ञान पर आधारित अन्य कहानियों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
	निबन्ध : हिम्मत और ज़िंदगी	1.हिम्मत ,परिश्रम,साहस,कर्मठता आदि के प्रति निष्ठा उत्पन्न करना। 2.विवेकशीलता उत्पन्न करना। 3.सुख-दु:ख, हार-जीत को समान दृष्टि से देखना सिखाना।	1.विद्यार्थियों के जीवन अथवा आस पास घटित हिम्मत और साहस से भरी बातें हिंदी में सुनी जायें। 2. साहसी व्यक्तियों / महापुरुषों के चित्र एकत्र करना व उनकी कहानियों की कक्षा में हिंदी में चर्चा की जाये। 3.पाठ में आए हिम्मत और साहस देने वाले वाक्यों को लिखने को कहा जाये। 4.पाठ के मूल संदेश को लिखने को कहा जाये।
	व्याकरण : वर्तनी	1.हिंदी के वर्णों का समुचित ज्ञान देना। 2.शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना। 3.शब्द भंडार विकसित करना।	1.शुद्ध वर्तनी प्रतियोगिता करवायी जाये। 2.अशुद्ध शुद्ध वर्तनी का चार्ट बनाया जाये। 3. रिक्त स्थान की पूर्ति शुद्ध शब्द से करवायी जाये।
	अपठित गद्यांश	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	मुहावरे : 21-40	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : स्वास्थ्य और व्यायाम	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.व्यायाम द्वारा स्वस्थ रहने की जानकारी देना। 3.व्यायाम के विभिन्न तरीकों की जानकारी देना।	1.' स्वास्थ्य और व्यायाम ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.छात्रों को आस-पास के किसी योग केन्द्र की सदस्यता लेने और इस अनुभव को कक्षा में बाँटने को कहा जाये। 4. टेलिविज़न पर प्रसारित होने वाले स्वास्थ्य और व्यायाम सम्बन्धी कार्यक्रमों को देखने और अपने अनुभव कक्षा में बाँटने को कहा जाये।
	अनुच्छेद रामलीला देखने का अनुभव	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भारत की प्राचीन संस्कृति से परिचित कराना। 3.रंगमंच/नाटक/अभिनय/मेकअप/निर्देशन संगीत आदि में रुचि पैदा करना।	1.'रामलीला देखने का अनुभव' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. टेलीविज़न/अपने आस-पास मंचित होने वाली रामलीला को देखने के लिए प्रेरित करें।
	पत्र : आपको आपके पुराने मित्र का चार साल बाद पत्र मिला। उसके पत्र का जवाब देते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
अगस्त	**निबन्ध :** राष्ट्रभक्त : मदनलाल ढींगरा	1.देशभक्ति की भावना विकसित करना। 2. मदनलाल ढींगरा की देशभक्ति से परिचित कराना।	1.छात्रों द्वारा मदनलाल ढींगरा के विचारों को स्कूल की प्रार्थना सभा में प्रस्तुत किया जाये। 2.अन्य देशभक्तों की जीवनियाँ पढ़ने और उनके विचारों को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी जाये।
	एकांकी : शिवाजी का सच्चा स्वरूप	1.मानव मूल्यों की स्थापना करना । 2.शिवाजी का महान और उच्च चरित्र प्रस्तुत करना। 3.महिलाओं के प्रति आदर भाव जागृत	1.शिवाजी के अन्य प्रेरक प्रसंग पढ़ने को कहा जाये। 2.एकांकी को स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 3.यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:।। विषय को

		करना ।	स्पष्ट करते हुए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाये।
	व्याकरण : लिंग, वचन	व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान देना। लिंग और वचन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान देना।	1.लिंग और वचन परिवर्तन के उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी व हिंदी में लिंग परिवर्तन के अंतर को समझते हुए हिंदी में लिंग और वचन परिवर्तन के अधिकाधिक उदाहरण लिखवाये जायें।
	लोकोक्तियाँ : 11-20	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मधुर वाणी	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.मधुर वाणी का महत्व बताना।	1.‘ मधुर वाणी ’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपने फुफेरे भाई को राखी भेजते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें । दोहराई एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**कविता :** झाँसी की रानी की समाधि पर	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना। 3.कवयित्री की अनुभूति का ज्ञान कराते हुए काव्य का भावार्थ ग्रहण करने की क्षमता उत्पन्न करना। 4.रानी लक्ष्मी और अन्य वीरांगनाओं के बारे में जानकारी देना।	1. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 2.स्वतन्त्रता सेनानियों के चित्र/डाक टिकटें इकट्ठी करने को कहा जाये। 2. रानी झाँसी व अन्य स्वतन्त्रता सेनानियों की जीवनियाँ पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये।
	अनुच्छेद : हिंदी भाषा की उपयोगिता	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालना । 3.हिन्दी भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालना।	1.‘हिंदी भाषा की उपयोगिता’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. हिंदी भाषा संबंधी भाषण,कविता वाचन,कविता गायन, सुंदर लिखाई आदि प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	व्याकरण : तत्सम-तद्भव	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.तत्सम-तद्भव का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.तत्सम-तद्भव अधिकाधिक शब्दों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.तत्सम-तद्भव शब्दों का चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : जब मेरी माँ बीमार पड़ गई	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.पारिवारिक व नैतिक मूल्यों का विकास करना। 3.माता- पिता के काम में हाथ बंटाने के लिए प्रेरित करना। 4. सहयोग की भावना विकसित करना।	1.‘ जब मेरी माँ बीमार पड़ गई’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मैंने गर्मियों	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना।	1.‘ मैंने गर्मियों की छुट्टियाँ कैसे बितायीं’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद

	की छुट्टियाँ कैसे बितायीं	2.बच्चों को डायरी लिखने के लिए प्रेरित करना	लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपनी सखी को अपने जन्म दिन पर निमन्त्रण देते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया
	कहानी : दो हाथ	1.कर्म के सौन्दर्य की अमूल्य कीमत का संदेश बच्चों तक पहुँचाना। 2.आत्मविश्वास विकसित करना। 3.पढ़ाई के साथ-साथ पाठ्य सहायक क्रियाओं में रुचि विकसित करना।	1.माता-पिता के साथ बच्चों के सहयोग की चर्चा कक्षा में की जाये। 2.कर्मशील व्यक्तियों के चित्र इकट्ठे करने एवं उनके जीवन चरित्र पढ़ने की प्रेरणा दी जाये। 3. 'कर्मशीलता ही हाथों की शोभा है'-इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता करवायें।
	पत्र : अपनी सहेली को प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
नवम्बर	**कहानी :** साए	1.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 2.ईमानदारी की भावना विकसित करना। 3.कठिनाई के समय अपने मित्र की सहायता करने के लिए प्रेरित करना । 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1.परोपकार और ईमानदारी से सम्बन्धित कहानियाँ पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये। 2.यदि आप उस वृद्ध की जगह होते तो क्या करते ? इस पर विद्यार्थियों से चर्चा की जाये। 3.परिवार को पिता की मृत्यु की सूचना न देकर मित्र ने सही किया या बुरा किया- इसके पक्ष और विपक्ष में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की जाये।
	निबन्ध : एक अंतहीन चक्रव्यूह	1.नशे की लत के घातक नतीजों के बारे में जानकारी देना। 2. नशा न करने व सत्संगति करने के लिए प्रेरित करना । 2.सकारात्मक जीवन जीने की ओर प्रेरित करना । 4.दृढ़-निश्चयी व ज़िम्मेदार नागरिक बनाना।	1.नशा उन्मूलन प्रभावशाली नारे लिखवाये जायें। 2.नशा उन्मूलन रैली निकाली जाये। 3.नशा उन्मूलन विषय पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	अनुच्छेद : जब मैं मॉल में शॉपिंग करने गयी	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. क्रय-विक्रय का ज्ञान देना । 3. शॉपिंग के आधुनिक केन्द्रों से परिचित कराना।	1.' जब मैं मॉल में शॉपिंग करने गयी' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : पर उपदेश कुशल बहुतेरे	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.दूसरों में सुधार लाने से पहले अपने आपमें सुधार लाने के लिए प्रेरणा देना ।	1.' पर उपदेश कुशल बहुतेरे' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपने जन्म दिन पर भेजे गये उपहार के लिए अपने ताया जी को धन्यवाद पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र : बड़ी	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट

	बहन द्वारा छोटे भाई को पढ़ाई में ध्यान लगाने व कुसंगति से बचने के लिए पत्र	का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	व्याकरण : उपसर्ग-प्रत्यय	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.उपसर्ग-प्रत्यय का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1. उपसर्ग-प्रत्यय के प्रयोग से अधिकाधिक नए शब्द बनवाये जायें। 2.उपसर्ग-प्रत्यय से शब्द निर्माण सम्बन्धी चार्ट बनायें।
	व्याकरण :मुहावरे-40-60	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
दिसम्बर	**कविता :** मैंने कहा,पेड़	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.पेड़ की सहनशीलता और सबलता के बारे में बताते हुए उससे शिक्षा लेने की प्रेरणा देना । 3.परोपकार की भावना उत्पन्न करना।	1.पेड़ धरा आभूषण, करता दूर प्रदूषण' -इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.जन्म दिन पर स्वेच्छानुसार कोई पौधा लगाकर उसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	निबन्ध : बचेंद्री पाल	1.बचेंद्री पाल के संघर्षमय जीवन के बारे में बताना । 2.जीवन के मार्ग पर हर परिस्थिति में अग्रसर रहने की प्रेरणा देना ।	1.इंटरनेट पर बचेंद्री पाल अथवा किसी अन्य पर्वतारोही की यात्रा का अवलोकन करवाया जा सकता है। 2. 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' - विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 3.विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्थान पर आसीन महिलाओं पर चर्चा करें व उनके चित्र चार्ट पर चिपकवायें।
	एकांकी : प्रकृति का अभिशाप	1.पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। 2.प्राकृतिक साधनों के असावधानी पूर्वक प्रयोग करने के घातक परिणामों से अवगत कराना । 3.अभिनय कौशल प्रदान करना। 4.प्रकृति प्रेमी बनाना।	1.प्रदूषण उन्मूलन प्रभावशाली नारे लिखवाये जायें। 2. प्रदूषण उन्मूलन रैली निकाली जाये। 3. प्रदूषण उन्मूलन विषय पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताएं करवायी जायें। 4. प्रदूषण उन्मूलन विषय पर आयोजित कार्यशालाओं में भाग लें।
	अनुच्छेद : परीक्षा से एक दिन पूर्व	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. परीक्षा का डर समाप्त करना । 3.स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देना ।	1.' परीक्षा से एक दिन पूर्व' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मन के हारे हार है मन के जीते जीत	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति विकसित करना । 2. सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना। 3.स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देना ।	1.' मन के हारे हार है मन के जीते जीत ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : स्टेडियम में क्रिकेट मैच देखने के लिए अपने चाचा जी को पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 4. खेलों के प्रति जिज्ञासा की प्रवृत्ति विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र :अपनी सहेली को सर्दियों की छुट्टियाँ अपने घर	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र

	बुलाने का निमंत्रण पत्र		लिखवाया जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : लोकोक्तियाँ (21-30)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
जनवरी	**कविता :** पाँच मरजीवे	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.खालसा पंथ की नींव की ऐतिहासिक घटना से परिचित करवाना। 3.देश प्रेम व बलिदान की भावना जागृत करना। 4.गुरु गोबिन्द सिंह जी के महान व अद्वितीय व्यक्तित्व से परिचित कराना। 5.भेदभाव रहित जीवन जीने की प्रेरणा देना।	1. गुरु गोबिन्द सिंह जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके प्रेरणादायक विचार प्रार्थना सभा में प्रस्तुत करें । 2.श्री आनन्दपुर साहिब के ऐतिहासिक स्थलों के चित्र व जानकारी इकट्ठी करने की प्रेरणा दी जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.आनन्दपुर व अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करने की ओर उन्मुख किया जाये।
	कहानी : वह चिड़िया एक अलार्म घड़ी थी	1.पशु-पक्षियों के प्रति दया का भाव रखने योग्य बनाना। 2. दूसरों के किए हुए उपकारों को याद रखने योग्य बनाना। 3.बच्चों को इस बात से अवगत कराना कि कभी-कभी कोई छोटा जीव भी हमारी आदत/जीवन शैली बदल सकता है ।	1.पशु-पक्षियों के प्रति किए किसी अद्भुत काम की कक्षा में चर्चा हिंदी में की जाये। 2.चिड़िया और प्रात:कालीन सौन्दर्य पर कविताओं का संकलन करवाया जाये।
	निबन्ध : कैसे बचें उपभोक्ता धोखाधड़ी से	1.उपभोक्ता को उसके अधिकारों से अवगत कराना । 2.निडर व जागरूक उपभोक्ता बनाना ।	1.उपभोक्ता व उसके अधिकारों की सुरक्षा को लेकर रेडियो व टेलीविज़न पर नाटिकाएं सुनने व देखने के प्रति जागरूक किया जाये। 2.उपभोक्ता के अधिकारों के हनन सम्बन्धी विद्यार्थियों से उनके विचार हिंदी में सुने जायें। 3.छात्रों को स्कूल में चल रहे लीगल लिटरेसी क्लब का सदस्य बनाया जाये।
	अनुच्छेद : दहेज प्रथा : एक सामाजिक कलंक	1. रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2. सामाजिक बुराइयों के बारे में बताना और उनके समाधान के लिए प्रेरित करना ।	1.‘ दहेज प्रथा : एक सामाजिक कलंक ’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. दहेज न लेने व न देने की शपथ दिलायी जाये ।
	अनुच्छेद : जल के प्रयोग में व्यावहारिकता	1.प्राकृतिक साधनों के सावधानी पूर्वक प्रयोग के लिए प्रेरित करना । 2.जल के प्रयोग में व्यावहारिक बनने की प्रेरणा देना।	1.‘ जल के प्रयोग में व्यावहारिकता’ सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : वॉलीबॉल के ट्रेनिंग कैम्प से अपनी माता को कुशलता का समाचार देते	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 4. दूसरों की संवेदना को समझने योग्य बनाना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।

	हुए पत्र	5.आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना।	
	पत्र : परीक्षा न देने के कारण अपने परेशान मित्र को हौसला देते हुए सकारात्मक रवैया अपनाने के लिए कहते हुए पत्र	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना । 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना । 4. दूसरों की संवेदना को समझने योग्य बनाना। 5.आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर अध्यापक व विद्यार्थियों के बीच चर्चा के बाद विद्यार्थियों से पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	अपठित गद्यांश	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये ।
फरवरी	**विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के महत्त्व के बारे में बताया जाए ।**		
मार्च	**दोहराई एवं प्री बोर्ड मूल्यांकन**		
	दोहराई एवं वार्षिक परीक्षा		

नोट :1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तकों में पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास करवाये जायें ।
2.उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।

मासिक पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-17
कक्षा : दसवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित क्रियाएं
अप्रैल	**कविता :** दोहावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन किया जाये। 2. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3. विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये।
	निबन्ध : मित्रता	1.सच्ची मित्रता का महत्व बताना। 2.सही मित्र के चुनाव के बारे में ज्ञान विकसित करना। 3.सत्संगति का महत्व बताना।	1.अपने गाँव में लगने वाली ग्राम पंचायत के बारे में चर्चा की जाये। 2. 'मित्र को महत्व दें अथवा न्याय व्यवस्था को' - पर विद्यार्थियों के बीच चर्चा करते हुए उनको अपने विचार रखने का अवसर दिया जाये।
	व्याकरण : संधि (स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि)	1.शब्द- भंडार में वृद्धि करना। 2.संधि(स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि) व संधिविच्छेद द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.स्वर संधि (दीर्घ संधि, गुण संधि) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2.दीर्घ संधि, गुण संधि से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण (भाग-क से ग तक)	1.शब्द -भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.जातिवाचक संज्ञा,सर्वनाम व विशेषण शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : पर्यायवाची शब्द (1-20 तक)	1.शब्द -भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल' 'द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं-इस तरह या अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करना सिखायें।
	व्याकरण : विलोम शब्द- 1 (i - xiii तक)	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना ।	उपसर्गों से विलोम शब्द बनाने के उदाहरण सिखाये जायें-सुपुत्र में 'सु' के स्थान पर 'कु' लगाकर 'कुपुत्र'विलोम शब्द बनता है ।
	व्याकरण : मुहावरे (1-15 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द-भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	अनुच्छेद : मेरी दिनचर्या	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति विकसित करना । 2.दिनचर्या को नियमित करने के लाभ बताना।	1.' मेरी दिनचर्या' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : मेरी पहली हवाई यात्रा	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति विकसित करना । 2.हवाई अड्डे और हवाई यात्रा का ज्ञान देना।	1.विद्यार्थियों से उनसे इस प्रकार के अनुभवों पर चर्चा की जाये । 2.यदि किसी विद्यार्थी /अध्यापक द्वारा हवाई यात्रा की गई हो तो उन अनुभवों को प्रस्तुत किया जाये। 3.इस तरह की बस, रेल आदि यात्रा के

			अनुभवों पर भी चर्चा की जाये।
	पत्र :डाटा एन्ट्री आॅपरेटर पद पर नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र ।	1.रोज़गार पाने हेतु आवेदन पत्र लिखने का ज्ञान देना। 2.सही व प्रभावशाली आवेदन पत्र का महत्व बताना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
मई	**कविता :** पदावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.प्रेरणादायक पदों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 4.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन करवाया जाये। 2.कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवाया जाये।
	कहानी : नर्स	1.माँ की ममता को प्रकट करना। 2.नर्स के सेवाभाव और ममता को उजागर करना। 3.नर्सिंग करियर के प्रति प्रेरित करना।	1. 'नर्सिंग करियर नहीं अपितु मानवता की सेवा है'- इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में कक्षा में चर्चा की जाये। 2.सेवा भाव की धनी मदर टेरेसा के समाज सेवा से सम्बन्धित चित्रों को इकट्ठा करें। 3. 12 मई को अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन करें।
	अनुवाद : पंजाबी के गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक गद्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	व्याकरण : संधि (वृद्धि संधि,यण् संधि)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.संधि(स्वर संधि- वृद्धि संधि,यण् संधि) व संधिविच्छेद द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.स्वर संधि (वृद्धि संधि,यण् संधि) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2. वृद्धि संधि,यण् संधि से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण (भाग-क)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : समरूपी भिन्नार्थक शब्द (1-20 तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.सही शब्द का सही स्थान पर प्रयोग करना सिखाना।	1.समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का वाक्य प्रयोग करके उनका सही प्रयोग करना सिखाया जाये। 2.रिक्त स्थान की पूर्ति द्वारा समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का प्रयोग सिखायें।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (1-35 तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना - सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के उदाहरण देकर उनके एक शब्द बनवाये जायें। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : लोकोक्तियाँ (1-15 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	विज्ञापन :	1.रचनात्मक लेखन में कुशल बनाना।	विज्ञापन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को

	(1-7 तक)	2.विज्ञापन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना	मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	अपठित गद्यांश (1-2 तक)	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	अनुच्छेद : मेरे जीवन का लक्ष्य	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भिन्न-भिन्न व्यवसायों के प्रति जागरूक करना। 3.उचित व्यवसाय का चुनाव करने योग्य बनाना। 4.छात्रों को रटन्त प्रवति से दूर करना।	1.कक्षा में सभी विद्यार्थियों से भिन्न-भिन्न व्यवसायों की चर्चा की जाये। 2.सभी विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने / लिखने के अवसर दिये जायें।
	अनुच्छेद : हम घर में सहयोग कैसे करें	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.सहयोग का महत्व बताना। 3.छात्रों को रटन्त प्रवति से दूर करना।	1.' हम घर में सहयोग कैसे करें' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : अपनी गलती के लिए क्षमा याचना करते हुए अपने स्कूल के प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3. नैतिक मूल्यों का विकास करना। 4.नेतृत्व की भावना विकसित करना। 5.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र : विषय बदलने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्या को पत्र ।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3. सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। 4.नेतृत्व की भावना विकसित करना। 5.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	**निबन्ध** : मैं और मेरा देश	1.देशभक्ति की भावना विकसित करना। 2.सौन्दर्य-बोध और शक्ति-बोध के प्रति सचेत करना। 3.सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना। कर्तव्यबोध की भावना जगाना।	1.देश के विकास के प्रति हमारा कर्तव्य- विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा कैसे करें- पर सभी विद्यार्थियों के विचार सुने जायें। 3.देश को सुन्दर व मज़बूत बनाने हेतु विद्यार्थियों से उनके सुविचार जानें। 4.मतदान से लोकतंत्र की रक्षा के बारे में लिखने को कहा जाये।
	एकांकी : सूखी डाली	1.सुखी परिवार में परिवार के सभी सदस्यों का योगदान -की भावना पैदा करना। 2.बड़ों का आदर व छोटों से प्रेम की भावना विकसित करना। 3.अहं को छोड़कर घर को टूटने से बचाने की ओर उन्मुख करना। 4.दहेज : एक कलंक के प्रति जागरूक करना।	1. सुखी परिवार में परिवार के सभी सदस्यों का योगदान - पर विचार लिखने को कहा जाये। 2.संयुक्त परिवारों के विघटन में पुरानी पीढ़ी अथवा नयी पीढ़ी ज़िम्मेवार है? पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करवायी जाये। 3. दहेज : एक कलंक - पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करवायी जाये।
	कहानी : ममता	1.विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में निहित मूल्य -अतिथि देवो भव से अवगत करवाना। 2.भारतीय नारी के आदर्श, कर्तव्यनिष्ठा,	1.विद्यार्थियों से पाठ में आए 'अतिथि देवो भव' सम्बन्धी विचार लिखवाये जायें। 2.जीवन मूल्यों पर आधारित महान पुरुषों के जीवन की घटनाएं पढ़ने को दी जायें।

		धर्म परायणता, नैतिक व सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 3.विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार का विरोध करने और रिश्वतखोरी से बचकर जीने की ओर प्रेरित करना। 4. कहानी के अंतिम मूलभूत उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	3.छात्रों से इस कहानी में आए भारतीय नारी के आदर्श,कर्तव्यनिष्ठा एवं धर्म परायणता सम्बन्धी बातों को ढूँढ़कर लिखने को कहें। 4.जयशंकर प्रसाद की ऐतिहासिक रचनाएं पढ़ने को दी जायें। 5.'ममता' कहानी को इंटरनेट से डाउनलोड करके विद्यार्थियों को सुनवाया जाये।
	प्रपत्र पूर्ति : बैंक प्रपत्र(रुपये जमा करवाने व निकलवाने सम्बन्धी)	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	बैंक के खाली प्रपत्रों को देकर विद्यार्थियों से भरवाया जाये।
	सूचना तथा प्रतिवेदन सूचना (1-2), प्रतिवेदन (1-2)	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। सूचना तथा प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 2.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	व्याकरण : अनेकार्थक शब्द (1-15)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.शब्द को उसके अर्थ के अनुरूप प्रयोग करना सिखाना।	एक शब्द के अनेक अर्थों को वाक्यों में प्रयोग करके सिखाया जाये।
	व्याकरण : वाक्य शुद्धि (बिन्दु 1-6 तक)	1.भाषा का शुद्ध रूप सिखाना। 2.व्यावहारिक ढंग से वाक्य शुद्धि का ज्ञान देना।	संज्ञा, सर्वनाम,वचन, लिंग, परसर्ग चिह्न, विशेषण से सम्बन्धित अशुद्धियों के उदाहरण देकर उन्हें शुद्ध रूप में प्रयोग करना सिखाया जाये ।
	व्याकरण : **संधि** (अयादि संधि)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.संधि(स्वर संधि- अयादि संधि) व संधिविच्छेद द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.स्वर संधि (अयादि संधि) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण करना सिखायें। 2. अयादि संधि सम्बन्धी चार्ट बनवायें।
	समास : (तत्पुरुष)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.समास (तत्पुरुष) द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.समास (तत्पुरुष) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2.तत्पुरुष समास से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	अनुच्छेद : गाँव का खेल मेला	1. रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.खेलों में रुचि पैदा करना। 3.भिन्न भिन्न ग्रामीण खेलों की जानकारी देना। 4.गाँव के खेल मेले के द्वारा ग्रामीण झाँकी दिखाना।	1.विद्यार्थियों को अपने गाँव/कस्बे में आयोजित होने वाले खेल मेले के बारे में कक्षा में बोलने का अवसर देना ताकि जो गाँव में नहीं रहते,भी खेल मेले के बारे में जान सकें। 2.इस तरह के अन्य अनुच्छेद लिखवाये जायें।
	अनुच्छेद : परीक्षा में अच्छे अंक पाना ही सफलता का मापदंड नहीं	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.परीक्षा का डर दूर करना। 3,अंकों की अपेक्षा आशावादी दृष्टिकोण अपनाने की ओर प्रेरित करना। 4.रुचियों और अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देना।	1.विद्यार्थियों से उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने को कहा जाये। 2.विद्यार्थियों के साथ ऐसे महान विद्वानों/ वैज्ञानिकों/खिलाड़ियों की चर्चा की जाये, जिन्होंने स्कूल स्तर पर अकादमिक तौर पर अच्छा प्रदर्शन न करने के बावजूद अभूतपूर्व सफलता अर्जित की ।
	पत्र : कक्षा की समस्याओं को हल करवाने के सम्बन्ध में विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र ।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.नेतृत्व की भावना विकसित करना। 4.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।

अगस्त	**कविता :** नीति के दोहे	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन करवाया जाये। 2.कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3.विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करवायाा जाये।
	निबन्ध : राजेन्द्र बाबू	1. संस्मरण विधा का ज्ञान देना। 2. भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व से परिचित कराना। 3. नैतिकता का विकास करना। 4. भारत के राष्ट्रपतियों से अवगत कराना।	1.संस्मरण विधा का परिचय देता हुआ चार्ट बनवायें। 2.निबन्ध पढ़कर राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व की विशेषताएं लिखवायें। 3.फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता में राजेन्द्र प्रसाद जैसी आकृति व वेशभूषा धारण करें । 4.'सरलता व सादगी का व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है'-इस विषय पर पक्ष व विपक्ष में हिंदी में चर्चा करें ।
	कहानी : अशिक्षित का हृदय	1.प्रकृति के साथ मानव के भावात्मक सम्बन्ध को दर्शाना। 2.पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना। 3.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम का समावेश की अनुभूति करवाना।	1.पेड़ लगाओ,पर्यावरण बचाओ-जैसे नारे लिखवा कर कक्षा में अथवा स्कूल प्रांगण में लगवायें। 2.स्कूल अथवा आस-पास पौधारोपण करवाया जाये । 3.पेड़-पौधों के चित्रों की एलबम बनवायें। 4.इस कहानी को एकांकी के रूप में लिखकर उसका मंचन करवाया जाये।
	व्याकरण : (कर्मधारय समास)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.समास (कर्मधारय) द्वारा व्यावहारिक रूप से शब्द निर्माण सम्बन्धी ज्ञान देना।	1.समास (कर्मधारय) से सम्बन्धित अधिकाधिक उदाहरणों द्वारा शब्द निर्माण करना सिखाया जाये। 2. कर्मधारय समास से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण का शेष भाग (घ-ङ तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	मुहावरे (16-30 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल व छोटे वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से अर्थ और मुहावरों के प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	व्याकरण :विलोम शब्द(शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना ।	मूल रूप में प्रयुक्त विलोम शब्दों के अधिकाधिक उदाहरण करवाये जायें।
	अनुवाद : पंजाबी के गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनवाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पत्र : स्वास्थ्य अधिकारी को क्षेत्र/ मुहल्ले की सफाई कराने सम्बन्धी प्रार्थना पत्र ।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.सफाई का महत्व बताना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।

	पत्र : रोडवेज़ के महाप्रबन्धक को बस में छूट गए सामान के बारे में आवेदन पत्र ।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.मुश्किल में सूझ-बूझ से काम लेने के योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	अनुच्छेद : भ्रमण : ज्ञान वृद्धि का साधन	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.भ्रमण का विस्तृत रूप में ज्ञान देना। 3. ऐतिहासिक, धार्मिक,प्राकृतिक व अद्भुत स्थानों को जानने के बारे में उत्सुकता उत्पन्न करना।	1.' भ्रमण :ज्ञान वृद्धि का साधन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : प्रकृति का वरदान : पेड़ पौधे	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना। 3.पेड़-पौधों का महत्व बताना। 4.पेड़-पौधों के संरक्षण की भावना विकसित करना।	1.' प्रकृति का वरदान :पेड़ पौधे' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.पर्यावरण जागरूकता संबंधी नारे लिखवायें। 3.पेड़ों के लाभ सम्बन्धी चार्ट बनवायें। 4. इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये ।
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें । दोहराई एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**कविता :** हम राज्य लिए मरते हैं	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.किसानों के अन्नदाता रूप को प्रकट करना। 3.किसानों की सहनशीलता,परिश्रम और उदारता को प्रकट करना। 4.किसानों के प्रति कृतज्ञता की भावना पैदा करना।	1. किसानों की दिनचर्या की मुख्य बातों की सूची बनवायें। 2. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3.किसानों के जीवन से सम्बन्धित वैशाखी मेले के चित्र चार्ट पर चिपकवायें।
	निबन्ध : सदाचार का तावीज़	1.भ्रष्टाचार के कारण तथा निवारण के प्रति विवेक उत्पन्न करना। 2.निबन्ध की व्यंग्यात्मक शैली की जानकारी देना।	1. भ्रष्टाचार के निवारण हेतु नारा लेखन,भाषण,निबन्ध,कविता आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करें । 2.इस निबन्ध को लघु नाटिका के रूप में लिखकर स्कूल-मंच पर मंचित करवायें। 3. सदाचार से सम्बन्धित कहानियाँ पढ़ें।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण - शेष भाग(ख-घ तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.सर्वनाम,क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनवाया जाये।
	व्याकरण : समरूपी भिन्नार्थक शब्द (1-20 तक)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.सही शब्द का सही स्थान पर प्रयोग करना सिखाना।	1.समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का वाक्य प्रयोग करके उनका सही प्रयोग करना सिखाया जाये। 2.रिक्त स्थान की पूर्ति द्वारा समरूपी भिन्नार्थक शब्दों का प्रयोग सिखायें।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना - सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के उदाहरण देकर उनके एक शब्द बनवायें। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : अनेकार्थक शब्द (शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.शब्द को उसके अर्थ के अनुरूप प्रयोग करना सिखाना।	एक शब्द के अनेक अर्थों को वाक्यों में प्रयोग करके सिखाया जाये।

	लोकोक्तियाँ (16-25 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.अध्यापक अथवा विद्यार्थी द्वारा लोकोक्तियों से सम्बन्धित कोई छोटे प्रसंग/ लघुकथा की चर्चा की जाये। 2.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 3.लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	सूचना तथा प्रतिवेदन (शेष भाग)	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। 2.सूचना तथा प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 2.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	अपठित गद्यांश (3-4 तक)	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	अनुवाद : पंजाबी गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक गद्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	अनुच्छेद : अपने नए घर में प्रवेश	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.नए घर के प्रति रोमांच उत्पन्न करना। 3.पारिवारिक और सामाजिक भावना उत्पन्न करना।	1.'अपने नए घर में प्रवेश' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : करियर चुनाव में स्व मूल्यांकन	1.रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2. स्व मूल्यांकन के योग्य बनाना। 3.उचित करियर चुनने के योग्य बनाना।	1.' करियर चुनाव में स्व मूल्यांकन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	पत्र : विद्युत बोर्ड के नाम बिजली की सप्लाई में कमी के सम्बन्ध में आवेदन पत्र।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.समस्या के निवारण करने योग्य बनाना। 3. दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र : 'बाल श्रम : एक अपराध' विषय पर समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.समस्या के निवारण करने योग्य बनाना। 3.बाल श्रम की समस्या के प्रति जागरूक करना। 3. दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये। 4.बाल श्रम की समस्या और निवारण पर भाषण प्रतियोगिता करवाना।
नवम्बर	**कविता भाग :** गाता खग	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.प्रकृति के विविध रूपों के दर्शन कराना। 3.परोपकार की भावना जगाना , आशा व विश्वास उत्पन्न करना। 4.जीवन के रहस्यों का दार्शनिक रूप	1. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 2.प्रकृति के विभिन्न रूपों के चित्रों को एकत्र करके चार्ट पर चिपकवायें। 3. प्रकृति चित्रण की कविताओं का संकलन करवायें व वैसी कविताएँ लिखवाने की प्रेरणा दें ।

		समझाना।	
	कहानी (लघु कथाएं) माँ का कमरा	1.बुजुर्गों के प्रति आदर की भावना विकसित करना। 2.आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना। 3.दूसरों की बातों में न आकर विवेक से स्वयं निर्णय लेने योग्य बनाना। 4.लघुकथा लिखने की प्रेरणा देना।	1.बुजुर्गों के कल्याण के लिए छात्रों से सुझाव लिखवाये जायें। 2.माँ पर कविता व अन्य लघुकथाओं का संकलन करवायें व कक्षा में सुनें। 3.छात्रों की मौलिक रचनाओं को विद्यालय पत्रिका में स्थान दें।
	लघु कथा - अहसास	1.आत्मविश्वास उत्पन्न करना। 2. आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न करना। 3. शारीरिक चुनौतितयों का सामना करने के योग्य बनाना।	1.शारीरिक चुनौतियों का सामना करने वाले लुई ब्रेल,महाराजा रणजीत सिंह आदि किसी महान व्यक्तित्व की जीवनी पढ़वायी जाये। 2.26 जनवरी पर बहादुर बच्चों के किस्से टेलीविज़न /इंटरनेट पर देखने को कहें और उनकी कक्षा में चर्चा करें।
	निबन्ध : ठेले पर हिमालय	1.प्राकृतिक सुन्दरता के दर्शन कराना। 2.चित्रात्मक शैली से अवगत कराना। 3.यात्रा वृतान्त की जानकारी देना।	1. किसी यात्रा के बारे में छात्रों के अपने अनुभव कक्षा में बाँटें जायें। 2.यात्रा के दौरान कैमरा ले जाकर प्रकृति के दुर्लभ चित्र कैमरे में कैद करने की प्रेरणा दें
	व्याकरण : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार स्वर संधि-दीर्घ संधि, गुण संधि की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
	मुहावरे (31-50 तक)	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल व छोटे वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : पर्यायवाची शब्द (शेष भाग)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल' 'द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।
	व्याकरण : वाक्य शुद्धि शेष भाग (7-12 तक)	1.भाषा का शुद्ध रूप सिखाना। 2.व्यावहारिक ढंग से वाक्य शुद्धि का ज्ञान देना।	क्रिया,वाच्य और पुनरुक्ति आदि से सम्बन्धित अशुद्धियों के उदाहरणों से उन्हें शुद्ध रूप में प्रयोग करना सिखायें ।
	प्रपत्र पूर्ति : बैंक प्रपत्र (ड्राफ्ट व चैक सम्बन्धी प्रपत्र)	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	बैंक के खाली प्रपत्रों को देकर विद्यार्थियों से भरवाया जाये।
	सूचना व प्रतिवेदन	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। 2.सूचना व प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना।	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	अनुच्छेद : विद्यार्थी और अनुशासन	1.अनुशासन का महत्व बताना। 2.स्व अनुशासन के प्रति प्रेरित करना। 3.अच्छा विदयार्थी/नागरिक बनाना।	1.' विद्यार्थी और अनुशासन' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : कोचिंग संस्थानों का बढ़ता जंजाल	1.आत्मविश्वास उत्पन्न करना। 2.प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी देना। 3.स्वाध्ययन का ज्ञान देना।	1.'कोचिंग संस्थानों का बढ़ता जंजाल' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।

	पत्र : 'जुआखोरी की जानकारी देते हुए समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र	1.औपचारिक पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.ज़िम्मेदार नागरिक बनाना। 4.सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए पहल करने योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
	पत्र :घरों/ शैक्षिक संस्थानों/पर पोस्टर /पम्फलैट्स/ लगाने से जनता को होने वाली असुविधा के सम्बन्ध में समाचार पत्र के सम्पादक के नाम पत्र	1.औपचारिक पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.ज़िम्मेदार नागरिक बनाना। 4.जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए पहल करने योग्य बनाना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 2.सम्बन्धित विषय पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों पत्र लिखवाया जाये। 3.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र लिखवाया जाये।
दिसम्बर	**कविता भाग** जड़ की मुसकान	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.अहं को छोड़कर समाज में नींव की ईंट जैसी भूमिका अदा करने योग्य बनाना। 3.कृतज्ञ बनने की प्रेरणा देना। 4. मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देना।	1.अहंकारी का सिर नीचा-विषय पर विद्यार्थियों के विचार जानें। 2. जड़,तना,पत्ते,और फूल में से विद्यार्थी को कौन सबसे अच्छा लगा और क्यों ? जानें।
	कहानी : दो कलाकार	1.मानवीय भावनाओं से अवगत कराना। 2.नैतिक व सामाजिक भावना का विकास करना। 3.चित्रकला में रुचि विकसित करना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम का समावेश की अनुभूति करवाना।	1.विद्यार्थियों द्वारा किसी की मुसीबत में मदद की गई हो तो उस अनुभव की कक्षा में चर्चा की जाये। 2.चित्रकला में निपुण विद्यार्थियों के चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन करें। 3.समाज सुधारकों जैसे मदर टेरेसा, स्वामी दयानन्द सरस्वती आदि की जीवनियों की चर्चा की जाये।
	प्रपत्र पूर्ति (डाकघर से सम्बन्धित)	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	डाकघर के खाली प्रपत्र विद्यार्थियों से भरवाये जायें।
	अनुच्छेद : जनसंचार के माध्यम	1.जनसंचार के बारे में ज्ञान देना। 2.जनसंचार के सदुपयोग के बारे में बताना।	1.'जनसंचार के माध्यम' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अपठित गद्यांश (शेष भाग)	1.ज्ञान में वृद्धि करना। 2.दिए गए गद्यांश के मूल भाव को समझना। 3.स्वाध्याय में रुचि बढ़ाना।	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में से गद्यांश चुनकर उसमें से प्रश्न बनाकर उनके उत्तर ढूँढ़ने के लिए कहा जाये।
	विज्ञापन : विज्ञापन सम्बन्धी उदाहरण (शेष भाग)	1.रचनात्मक लेखन में कुशलता प्रदान करना। सूचना तथा प्रतिवेदन लिखने का व्यावहारिक ज्ञान देना। 2.मौलिक लेखन के प्रति उत्साहित करना।	सूचना तथा प्रतिवेदन के उदाहरण देकर विद्यार्थियों को मौलिक रूप में लिखने को कहा जाये।
	व्याकरण भाग : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार भाववाचक संज्ञा निर्माण,विशेषण निर्माण,विलोम शब्द,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,संधि, वाक्य शुद्धि आदि पूरे पाठों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
जनवरी	**निबन्ध** श्री गुरु नानक देव	1.श्री गुरु नानक देव जी के जीवन चरित्र से परिचित करवाना। 2.उनकी शिक्षाओं का ज्ञान देने व उन पर चलने की प्रेरणा देना।	1..श्री गुरु नानक देव जी की यात्राओं को विश्व मानचित्र पर दिखाकर समझायें। 2.उनकी रचनाओं की सूची बनवाइए। 3.उनकी शिक्षाओं को कॉपी में लिखवायें।
	एकांकी : देश के दुश्मन	1.रक्षा सेनाओं की वीरता,त्याग, बलिदान कर्त्तव्यपरायणता का चित्रण करना। 2.उनके परिवार जनों की उदात्त भावनाओं से परिचित कराना।	1.देशभक्ति पर गीत/ कविता गायन का आयोजन करें। 2.विद्यार्थियों से सैनिक के गुण लिखवायें। 3.इस एकांकी को रंगमंच पर मंचित करें।

	पत्र : सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव देते हुए सम्पादक के नाम पत्र।	1.औपचारिक पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.ज़िम्मेदार नागरिक बनाना। 4.जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए पहल करने योग्य बनाना। 5.यातायात के नियमों व ध्वनि प्रदूषण का ज्ञान देना। 6.अनुशासन पर चलने की प्रेरणा देना।	1.सड़क सुरक्षा सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 2.सड़क सुरक्षा रैली का आयोजन किया जाये। 3.स्कूल में समुचित स्थान पर वाहन साइकिल खड़ी करने को कहा जाये। 4. यातायात सम्बन्धी नियमों का चार्ट बनवायें अथवा पुलिस (ट्रैफिक) विभाग से यातायात नियमों का चार्ट लाकर स्कूल में लगवायें।
	अनुच्छेद : मैंने लोहड़ी का त्योहार कैसे मनाया	1.सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 2.सहयोग व नेतृत्व की भावना विकसित करना। 3.भारतीय संस्कृति का महत्व बताते हुए । लोहड़ी का विशेष महत्व बताना।	1.‘ मैंने लोहड़ी का त्योहार कैसे मनाया ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	अनुच्छेद : भ्रूण-हत्या : एक जघन्य अपराध	1.भ्रूण-हत्या सम्बन्धी सामाजिक समस्या के प्रति जागरूकता फैलाना। 2.लिंग असमानता सम्बन्धी धारणा को दूर करने की भावना विकसित करना।	1.‘ भ्रूण-हत्या : एक जघन्य अपराध ' सम्बन्धी विचारों पर चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों से अनुच्छेद लिखवाया जाये। 2.भ्रूण-हत्या सम्बन्धी नारे,निबन्ध, भाषण, कविता आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जाये। 3.इसी तरह के अन्य अनुच्छेद लिखने का अभ्यास करवाया जाये।
	प्रपत्र पूर्ति : रेलवे सम्बन्धी प्रपत्र ।	प्रपत्र पूर्ति का व्यावहारिक ज्ञान देना।	रेलवे के खाली प्रपत्र देकर विद्यार्थियों से भरवाये जायें।
	प्रपत्र पूर्ति : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार विभिन्न प्रपत्रों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
	व्याकरण भाग : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार समास,पर्यायवाची,समरूपी भिन्नार्थक,अनेकार्थक,अनुवाद आदि पूरे पाठों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
	विज्ञापन,सूचना और प्रतिवेदन : उपर्युक्त बताए उद्देश्यों व क्रियाओं के अनुसार विज्ञापन, सूचना और प्रतिवेदन आदि पूरे पाठों की पुनरावृत्ति करवायी जाये।		
फरवरी	**दोहराई एवं प्री बोर्ड मूल्यांकन**		
मार्च	**दोहराई एवं वार्षिक परीक्षा**		

नोट :1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तकों में पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास करवाये जायें ।
2.उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।